Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 243 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, गुरुवार 26 फरवरी 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र 2026

छत्तीसगढ़ के शिक्षित एवं युवा बेरोजगारों के शोषण को रोकने हेतु बनाया नया श्रम कानून : अजय चन्द्राकर

- केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा मंडल का गठन किया : लखनलाल देवांगन

रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा के अजय चन्द्राकर ने आज श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन को निजी कंपनियों द्वारा स्वेगी, जेमेटो, रैपिडो कंपनी में कार्यरत प्रदेश के शिक्षित एवं युवा बेरोजगारों के लिए नया श्रम कानून बनाने की मांग की। उन्हें वेतन, श्रम अवधि, सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक सहायता हेतु नियम एवं शर्त बनाना चाहिए। ताकि उन्हें पर्याप्त संरक्षण मिल सके। लखन लाल देवांगन ने सदन को आश्वासन दिया कि भारत सरकार द्वारा बनाए जा रहे श्रम नियम में कुछ इसके लिए प्रावधान किया जाएगा। भाजपा के श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने अजय चन्द्राकर द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में बताया कि स्वेगी, जेमेटो, रैपिडो कंपनियां पंजीकृत नहीं हैं।

कल्याण आयुक्त द्वारा इस कंपनी की पंजीकृत नहीं होने की जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कार्यरत वर्करों की कुल संख्या तथा अन्य जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इन वर्करों की शैक्षणिक एवं समयावधि निर्धारित करने का कोई प्रावधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 के तहत वर्करों की सामाजिक सुरक्षा हेतु सुरक्षा मंडल का गठन केन्द्र सरकार द्वारा किया गया है।

बिलासपुर में ग्रीनरी-ऑक्सीजन बढ़ाने की मांग

प्रश्नकाल में बिलासपुर की ग्रीनरी का मामला भी उठाया गया। तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह ने बिलासपुर में ग्रीनरी और ऑक्सीजन बढ़ाने के लिए मुक्तिधाम, अप्रोच रोड और नए गार्डन बनाने की मांग रखी। वित्तमंत्री अरूण साव ने जवाब दिया कि बिलासपुर पहले स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के 100 शहरों में शामिल था। इस दौरान कई अधूरे कार्यों के तहत आठ अलग-अलग स्थानों पर उद्यानों में विशेष पौधे और हेजिंग लगाए गए हैं।

लखमा बोले- नक्सलवाद पर कार्रवाई, लेकिन नया डर

बस्तर से कांग्रेस विधायक कवासी लखमा ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान अपनी बात रखी। उन्होंने करीब 25 मिनट तक सरकार की नीतियों और बस्तर के मुद्दों पर चर्चा की। लखमा ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए केंद्र और राज्य सरकार को धन्यवाद देना चाहिए। अच्छा काम हो तो उसकी तारीफ होनी चाहिए। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अब आदिवासी समाज के मन में एक नया डर पैदा हो गया है। उन्हें चिंता है कि जंगल बचेगा या नहीं, अबूझमाड़ और बैलाडीला सुरक्षित रहेंगे या नहीं।

प्रशासन के फेल होने के आरोप गलत- विजय शर्मा

चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग के आरक्षक ही ऐसे नशील पदार्थों की बिक्री कर रहे हैं। 11 फरवरी, 2026 को टिकरापारा थाना अंतर्गत आरक्षक द्वारा खुले आम हेरोइन बेच रहा था। प्रशासन इन अवैध तस्करों को रोकने में असमर्थ रहा है। इसके साथ-साथ तस्करों पर कड़ी कार्रवाई तक नहीं की गई। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मैक्सिको की बात आपने बताई। हमारे देश में ऐसी स्थिति नहीं है और ना कभी होगी। अवैध मामलों पर लगातार की जा रही है। प्रदेश में भर छापे की कार्रवाई भी हो रही है। पुलिस की ओर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जब्ती की कार्रवाई हुई है। आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। यह आरोप सही नहीं है कि प्रशासन फेल है। गृहमंत्री शर्मा ने बताया कि टिकरापारा में आरोपी आरक्षक से हेरोईन एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध किया गया है। प्रकरण में 1 अन्य आरोपी से 5.5 ग्राम हेरोईन (चिट्टा) और 1 जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तारी करते हुए प्रकरण में धारा 25 आर्म्स एक्ट भी जोड़ा गया है।

सीएसआर मद में उपेक्षा करने पर भड़के विधायक, उद्योग मंत्री पर लगाया उपेक्षा का आरोप

रायपुर। विधानसभा प्रश्नकाल के दौरान सीएसआर मद से स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा का अरोप विधायकों ने लगाया। कांग्रेस, विधायक व्यास कश्यप, भाजपा के अनुज शर्मा एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि इस पूरे मामले में कलेक्टर द्वारा एकपक्षीय कार्यवाही की जाती है। भूपेश बघेल ने कहा कि कलेक्टर की क्या हैसियत है। जनप्रतिनिधि इससे बड़ा होता है। व्यास कश्यप ने कलेक्टर द्वारा जनप्रतिनिधियों द्वारा की गई अनुशंसा को उपेक्षित करने का आरोप लगाया है। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि सीएसआर मद से कार्य कराने की घोषणा नहीं कर सकता। सीएसआर मद का मामला केन्द्र में चला गया है।

इजराइल दौरे पर पहुंचे पीएम नरेन्द्र मोदी

पीएम नेतन्याहू ने 'अपने मित्र' का किया गर्मजोशी से स्वागत

तेल अवीव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर इजराइल पहुंच गए हैं। बेन गुरियन हवाई अड्डा पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पत्नी सारा नेतन्याहू के साथ उनका स्वागत किया। भारत के प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। बीते 9 साल में यह उनकी दूसरी इजराइल यात्रा है। इससे पहले वे जुलाई 2017 में यहां आए थे। पीएम नेतन्याहू ने एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करती वीडियो क्लिप साझा की। पीएम नेतन्याहू ने एक्स पर लिखा—स्वागत है मेरे मित्र पीएम नरेंद्र मोदी। साझा की गई क्लिप में बेंजामिन नेतन्याहू अपनी पत्नी सारा के साथ भारत के प्रधानमंत्री का बाहें फैलाकर स्वागत करते नजर आए।

प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को संबोधित किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के इजराइल दौरे पर हैं। वे इजराइली संसद नेसेट को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन मेरा जन्म हुआ, उसी दिन भारत ने इजराइल को मान्यता दी। नेसेट को संबोधित करने मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री है। संसद पहुंचने पर सांसदों ने मोदी का खड़े होकर स्वागत किया और मोदी मोदी के नारे लगाए। मोदी से पहले इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने संबोधन में कहा कि पीएम मोदी इजराइल के ग्रेट फ्रेंड हैं। इजराइली पीएम ने कहा कि मोदी मेरे भाई जैसे हैं, मेरे दिल में उनके लिए खास जगह है।

जयस्तंभ चौक से नहीं निकलेगा जुलूस

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर में कानून-व्यवस्था और सुगम यातायात बनाए रखने के लिए पुलिस कमिश्नर ने बड़ा फैसला लिया है। शहर के जयस्तंभ चौक में किसी भी तरह का जुलूस और शोभायात्रा नहीं निकलेगा। इस इलाके को आयोजन और प्रदर्शन के लिए प्रतिबंधित घोषित किया गया है।

फिलहाल, यह प्रतिबंध 2 महीने के लिए लगाया गया है। इस आदेश के बाद सिंधी समाज में बड़ी नाराजगी है। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि, अगले महीने चेट्रीचंड्र पर्व है। समाज शहर में बड़ा कार्यक्रम आयोजन करता है। ऐसे में अचानक यह आदेश का आना गलत है। यह सिंधी समाज के साथ भेदभाव है। यह आदेश रायपुर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने 25 फरवरी 2026 को जारी किया है। जिसमें कहा गया कि, पुलिस उपायुक्त मध्य की तरफ से प्रतिवेदन पर यह निर्णय लिया गया। इस प्रतिवेदन में रायपुर के अति व्यस्त मार्गों पर सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक यातायात बाधित होने और लोगों को होने वाली असुविधा की बात कही गई थी। साथ ही कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबंध लागू करने की अनुशंसा की गई थी।

संविधान संशोधन विधेयक: जेपीसी की बैठक में शामिल हुए सांसद बृजमोहन

नई दिल्ली। रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज नई दिल्ली स्थित संसद भवन में आयोजित संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 पर संयुक्त संसदीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक में शिरकत की। समिति के सदस्य के रूप में श्री अग्रवाल ने विधेयक के विभिन्न प्रावधानों पर गहन विचार-विमर्श किया और जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। बैठक के दौरान श्री अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य शासन व्यवस्था में पारदर्शिता लाना और संवैधानिक ढांचे को और अधिक सशक्त बनाना है। उन्होंने समिति के अन्य सदस्यों के साथ विधेयक के तकनीकी और कानूनी पहलुओं पर चर्चा की, ताकि इसके लागू होने के बाद आम नागरिकों के अधिकारों का पूर्णत: संरक्षण हो सके। श्री अग्रवाल ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के कानून को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह विधेयक उसी दिशा में एक दूरगामी कदम है। श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि संविधान का 130वां संशोधन विधेयक देश की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। जेपीसी की इस बैठक में हमारा प्रयास है कि सभी हितधारकों के हितों का संतुलन बनाया जाए और एक ऐसा प्रारूप तैयार हो जो राष्ट्र निर्माण में सहायक सिद्ध हो।

दो दिन के आधिकारिक दौरे पर जापान पहुंचे सीएम योगी

टोक्यो में जोरदार स्वागत

टोक्यो। सिंगापुर दौरे के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को जापान पहुंचे, जहां टोक्यो में उनका भव्य स्वागत किया गया। उपराज्यपाल जुनिची इशिदेरा और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों ने सीएम योगी का अभिनंदन किया। दो देशों की यात्रा के अंतर्गत यह यात्रा मुख्यमंत्री की जापान की पहली यात्रा है, जो भारत और जापान के बीच बढ़ते रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाती एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीएम योगी का दो दिन का ये आधिकारिक दौरा है। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट कर जानकारी दी कि उगते सूरज की नवोन्मेषी भूमि को प्रभु श्री राम की पावन धरा के 'आदित्य' का नमस्कार। एक और पोस्ट में सीएम ने कहा कि आज टोक्यो में मित्सुई एंड कंपनी के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स बिजनेस यूनिट के प्रबंध अधिकारी और मुख्य परिचालन अधिकारी काजुकी शिमिजु और उनकी टीम के वरिष्ठ सदस्यों के साथ एक सार्थक और दूरदर्शी बैठक हुई। उन्होंने आगे कहा कि हमने मित्सुई एंड कंपनी को उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर क्षेत्रों में परिवर्तनकारी निवेश के लिए आमंत्रित किया, जो राज्य के तीव्र औद्योगिक विस्तार के अनुरूप हैं। उत्तर प्रदेश के विकास गलियारों को मजबूत करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और औद्योगिक निवेश में सहयोग पर भी चर्चा हुई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चार दिवसीय राष्ट्रीय आरोग्य मेले का किया उद्घाटन

बुलढाणा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के बुलढाणा जिले के शेगांव में चार दिवसीय राष्ट्रीय आरोग्य मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि स्वस्थ नागरिक देश को स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि औषधीय पौधों की खेती से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है और मिट्टी की गुणवत्ता भी बढ़ती है। आयुष मंत्रालय ने अखिल भारतीय आयुर्वेदिक कांग्रेस के सहयोग से राष्ट्रीय आरोग्य मेले का आयोजन किया है। इस मेले के दौरान सोव-रिग्पा और होम्योपैथी प्रणालियों से संबंधित नि:शुल्क परामर्श, स्वास्थ्य जांच और दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

पोखरण में 'अग्नि वर्षा', सेना ने दिखाया संयुक्त युद्ध कौशल

पोखरण। भारतीय सेना ने युद्धक टैंक, पैदल सेना, तोपखाना, रॉकेट प्रणाली, हेलिकॉप्टर और ड्रोन इकाइयों के समन्वित अभियान के जरिए मरुभूमि में 'अग्नि वर्षा' सैन्य अभ्यास को अंजाम दिया। वास्तविक युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप किए गए इस अभ्यास में विभिन्न हथियार प्रणालियों और टुकडियों ने एक साथ कार्रवाई कर सैन्य क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। यह अभ्यास भारतीय थल सेना की दक्षिणी कमान द्वारा पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में आयोजित किया गया। रेगिस्तानी क्षेत्र में सेना की ऑपरेशनल तैयारी, संयुक्त युद्ध कौशल और आधुनिक तकनीकी समन्वय का प्रदर्शन इसका मुख्य केंद्र रहा। अभ्यास के दौरान टी-90 मुख्य युद्धक टैंक, पैदल सेना के लड़ाकू वाहन, के-9 वज्र स्वचालित तोप, शरंग तोप प्रणाली और बोफोर्स तोप जैसे सैन्य प्लेटफार्म शामिल रहे। इसके अलावा रॉकेट प्रक्षेपण प्लेटफार्म, स्वदेशी एएलएच ध्रुव शस्त्र हेलिकॉप्टर, एएच-64 अपाचे आक्रमण हेलिकॉप्टर और निगरानी व प्रहारक ड्रोन भी कार्रवाई का हिस्सा बने।

ईडी ने किया अनिल अंबानी का 17 मंजिला घर जब्त

मुंबई। ईडी के खिलाफ यह कार्रवाई आरसीओएम और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ चल रही जांच का हिस्सा है। प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के मुंबई स्थित बंगले 'एबोड' को अटैच यानी जब्त कर लिया है। इसकी कीमत करीब 3,716 करोड़ रुपए आंकी गई है।

यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून के तहत की गई है। मामला उनकी ग्रूप कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस द्वारा किए गए कथित बैंक फ्रॉड से जुड़ा है। अनिल अंबानी पर 40 हजार करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड मामले में जांच चल रही है। अनिल अंबानी का यह बंगला मुंबई के सबसे पॉश इलाके पाली हिल में स्थित है। 66 मीटर ऊंचे इस बंगले में कुल 17 फ्लोर हैं। यह देश के सबसे महंगे रिहायशी घरों में गिना जाता है। श्वष्ठ ने इस संपत्ति को कुर्क करने के लिए एक प्रोविजनल ऑर्डर जारी किया है। बैंक धोखाधड़ी के मामले में लंबे समय से चल रही जांच के बाद केंद्रीय एजेंसी ने यह बड़ा कदम उठाया है।

यह पूरी कार्रवाई रिलायंस कम्युनिकेशंस और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ चल रही जांच का हिस्सा है। आरोप है कि बैंक से लिए गए लोन की राशि का गलत इस्तेमाल किया गया और उसे अन्य कार्यों में डायवर्ट किया गया।

5वीं-8वीं बोर्ड परीक्षा के विरोध में लगी याचिका खारिज

- हाईकोर्ट ने कहा-मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में शिक्षा विभाग लेगा परीक्षा

करीब 6200 निजी स्कूलों में हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के छात्रों की एकीकृत परीक्षा होगी।

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कक्षा पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा के विरोध में दायर याचिका खारिज कर दी है। ये याचिका छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की ओर से लगाई गई थी।

कोर्ट ने साफ कहा कि, सीजी बोर्ड से मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में परीक्षा स्कूल शिक्षा विभाग ही लेगा। इस फैसले के बाद प्रदेश के करीब 6200 निजी स्कूलों में हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के छात्रों की एकीकृत परीक्षा होगी। परीक्षा में पासङ्कफेल का नियम भी लागू रहेगा। निजी स्कूल संगठन ने आरटीई कानून की धारा 16 और 30 का हवाला देकर परीक्षा का विरोध किया था। लेकिन अदालत में यह स्पष्ट हुआ कि केंद्र सरकार ने 16 दिसंबर 2024 को आरटीई कानून में संशोधन कर दिया है। संशोधन के अनुसार, कक्षा पांचवीं और आठवीं में वार्षिक परीक्षा होगी और असफल होने पर छात्रों को उसी कक्षा में रोका जा सकेगा। इस मामले में विकास तिवारी ने हस्तक्षेप याचिका दाखिल कर कहा कि, कई निजी स्कूल सीजी बोर्ड की मान्यता लेकर सीबीएसई का पाठ्यक्रम पढ़ा रहे हैं और अभिभावकों से महंगी किताबों के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि सीजी बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को राज्य सरकार की ओर से नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें दी जानी हैं, लेकिन निजी स्कूलों ने वर्षों से इन पुस्तकों का वितरण नहीं किया। आरटीई के गरीब छात्रों को भी महंगी निजी किताबें खरीदने को मजबूर किया गया।

अमेरिका से जंग की आहट तेज

ईरान में फंसे भारतीय छात्रों के लिए केंद्र शासित प्रदेश ने उठाया बड़ा कदम

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच जंग की आहट तेज हो गई है। इस बीच, ईरान में फंसे हुए छात्रों के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जम्मू और कश्मीर सरकार ने बुधवार को ईरान से लौटने वाले राज्य के लोगों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। एक एडवाइजरी में कहा गया- तेहरान में भारतीय दूतावास द्वारा 23 फरवरी, 2026 को जारी एडवाइजरी को देखते हुए ईरान से लौटने वाले केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के लोगों की जानकारी और मदद के लिए नीचे दिए गए हेल्पलाइन नंबर बताए गए हैं। जरूरी मदद और तालमेल देने के लिए हेल्पलाइन 24×7 चालू रहेंगी।

इससे पहले ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन की जम्मू और कश्मीर यूनिट ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखकर ईरान में अभी मौजूद भारतीय छात्रों की सुरक्षा और पढ़ाई का भविष्य पक्का करने के लिए दखल देने की मांग की। एसोसिएशन की जम्मू और कश्मीर यूनिट के प्रेसिडेंट मोहम्मद मोमिन खान ने तेहरान में भारतीय हाई कमीशन की हालिया ट्रैवल एडवाइजरी के बाद की चिंताओं पर जोर दिया, जिसमें नागरिकों से लौटने के लिए कहा गया है। खान ने कहा- तेहरान में इंडियन हाई कमीशन ने एक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें उन्होंने अपने नागरिकों से वापस लौटने को कहा है। हालांकि, हमें स्टूडेंट्स से जानकारी मिली है कि उनके एग्जाम 5 मार्च को होने हैं। एम्बेसी ने एक ऑफिशियल बयान में कहा- ईरान में बदलते हालात को देखते हुए, जो भारतीय नागरिक अभी ईरान में है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई
रायपुर, गुरूवार 26 फरवरी 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

खिलाडियों और स्काउट-गाइड विद्यार्थियों को मिलेगा बोनस अंक

रायपुर (विश्व परिवार)। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं में इस वर्ष खेल और सह पाठ्यक्रम गतिविधियों से जुड़े विद्यार्थियों को बोनस अंक का लाभ मिलेगा। रायपुर जिले से कुल 226 खिलाडियों और 78 स्काउट-गाइड विद्यार्थियों के नाम जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से भेजे गए हैं। डीईओ ऑफिस से मिली जानकारी के अनुसार, कक्षा 12वीं के 118 और कक्षा 10वीं के 108 विद्यार्थियों को खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी के आधार पर बोनस अंक दिए जाएंगे। इसके साथ ही स्काउट एंड गाइड में 12वीं के 31 और 10वीं के 37 विद्यार्थियों को बोनस अंक दिया जाएगा। राज्य में कुल कितने विद्यार्थियों को बोनस दि जाने है अभी इसकी जानकारी माध्यमिक शिक्षा मंडल को प्राप्त नहीं हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि डीईओ ऑफिस से डाटा लोक शिक्षण संचालनालय को भेजा जाता है उसके बाद वहां से शिक्षा मंडल को प्राप्त होती है।

नियमों के अनुसार राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडियों को 10 बोनस अंक, राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी करने वाले खिलाडियों को 15 बोनस अंक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाडियों को 20 बोनस अंक दिए जाएंगे। एनसीसी में आरडी परेड व मावलंकर शूटिंग के लिए 15 अंक, वायु सेवा या थल सेना या नौसेना कैंप के लिए 15 और डी कैट कैंप के लिए 10 अंक दिए जाएंगे। साथ ही स्काउड एंड गाइड में में राज्यपाल अवार्ड पर 10 और राष्ट्रपति अवार्ड पर 15 अंक दिए जाएंगे।

न्यायालय आतिरिक्त तहसीलदार 03 रायपुर
मामले की श्रेणी : राजस्व

संदर्भ: जिला रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.-00071 बोरियाखुर्द ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. RD 202526440726600103

इशितहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00071 के अंतर्गत ग्राम बोरियाखुर्द के वर्तमान भूमिस्वामी **उषा साहू पिता/पति-नरसिंग साहू पता-पुराना धमतरी रोड, डुंडा** के द्वारा धारित भूमि **खसरा क्रमांक 298/47** (0.0017) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/**क्रेता सौरभ सहारे पिता/पति-स्व. राजकुमार सहारे पता-सतनामी पारा नकटी मंदिर हसौद रायपुर** के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई **दिनांक 16/03/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय आतिरिक्त तहसीलदार 03 रायपुर** पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज **दिनांक 20/02/2026,** को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार:
PRAKASH SONI.
रायपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

इशितहार

रा.मा.क्र. / 202602110800030/अ-6/2025-26
रायपुर, दिनांक 17/02/2026
ग्राम-तेलीबांधा, प0ह0नं0 64
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **आशीष राव नायडू पिता स्व. आर.आर. नायडू निवासी सी-4, शताब्दी नगर तेलीबांधा रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** द्वारा इस न्यायालय में छ.ग.भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-110 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है कि, आवेदक के माता **श्रीमती ज्योति नायडू पति स्व. आर.आर. नायडू के नाम पर ग्राम तेलीबांधा, प.ह.नं. 64. तहसील व जिला रायपुर** स्थित परिवर्तित भूमि **खसरा नंबर 15003/38 रकबा 0.0111हे.** भूमि धारित की जाती है। उपरोक्त भूमि के खातेदार **स्व. श्रीमती ज्योति नायडू पति स्व. आर.आर. नायडू** की मृत्यु **दिनांक 06/11/2025** को हो गयी है तथा आवेदक के पिता **स्व. आर.आर. नायडू** की मृत्यु **दिनांक 09/04/1999** को हो गयी है। मृतक खातेदार **स्व. श्रीमती ज्योति नायडू पति स्व. आर.आर. नायडू** के विधिक वारिसानगण 01. आशीष राव नायडू 02. विकास राव नायडू दोनों पिता स्व. आर.आर. नायडू है, अन्य कोई नहीं। अतः उक्त भूमि में से मृतक खातेदार स्व. श्रीमती ज्योति नायडू पति स्व. आर.आर. नायडू का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारिसानगण के नाम पर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है।

अतः आवेदक का द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई **दिनांक 06/03/2026** तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज **दिनांक 17/02/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर छ.ग.

श्रीमान समक्ष नोटरी पब्लिक महोदय, रायपुर छ.ग.

/// शपथ-पत्र ///

मै शपथकर्ती गुरुप्रीत कौर उम्र 34 वर्ष पिता स्व. श्री अमरजीत सिंह निवासी-मकान नंबर-ई.डब्लू.एस.-86, राम कुटीर हाउसिंग बोर्ड कालोनी परसुलीडीह रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूं कि :-

01- यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है। तथा मेरा आधार नंबर-**2421 1006 5869** एवं पेन कार्ड नंबर-**ECCPK2405M** है।

02- यह कि, मेरे स्वामित्व एवं अधिपत्य एक मकान जो कि वाके मोजा **अर्जुन वेली, सड्डू रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग.** मे स्थित है जिसका **खसरा नंबर-15009/79 रकबा 1500 वर्गफुट भूमि** स्थित है जिस पर भूतल पर 1000 वर्गफुट एवं प्रथम तल पर 700 वर्गफुट पर उपरोक्त मकान निर्मित है ।

03- यह कि, मैने अपने उपरोक्त मकान को **क्रेता अन्जू योगेश कुमार पिता श्री योगेश कुमार साहू एवं रोहन साहू पिता श्री योगेश कुमार साहू निवासी-ग्राम पोस्ट लवण तहसील व जिला बलौदा बाजार छ.ग.** वाले को 50,00,000/- अक्षरी पचास लाख रूपये में विक्रय किया है जिसका बेनामा पंजीयन का मेरे द्वारा **दिनांक 23/02/2026** को उप पंजीयक कार्यालय में पंजीयन करवाने हेतु उपस्थित हुई किन्तु हम दोनो पक्षकारो में आपसी मे लेन देन को लेकर झंझट हो गई है जिससे में अपने उपरोक्त मकान का बैनामा पंजीयन क्रेता के पक्ष में नहीं करी हूं ।

04- यह कि, मेरे उपरोक्त मकान का समस्त मुल दस्तावेज क्रेता के द्वारा अपने पास रख लिया गया है और मेरे उपरोक्त मकान का दस्तावेज मुझे वापस नहीं किया जा रहा है तथा मैने क्रेता के द्वारा दी गई राशि को वापस कर चुकी हूं तथा मेरे उपरोक्त दस्तावेजो का अगर क्रेता के द्वारा किसी भी प्रकार से दुरुपयोग किया जाता है तो उसकी समस्त जवाबदारी एवं जिम्मेदारी **क्रेता अन्जू योगेश कुमार पिता श्री योगेश कुमार साहू एवं रोहन साहू पिता श्री योगेश कुमार साहू निवासी-ग्राम पोस्ट लवण तहसील व जिला बलौदा बाजार छ.ग.** की होगी ।

05- यह कि, मुझे **क्रेतागण एवं उसके पति श्री योगेश कुमार साहू** के द्वारा मुझे धमकी दी जा रही है कि अगर तुम मेरी पत्नी एवं बच्चे के नाम पर उपरोक्त मकान की रजिस्ट्री नहीं करोगी तो मे आत्महत्या कर तुम्हे फंसा दूंगा जिससे में काफी भयभीत हूं ।

06- यह कि, मै यह शपथपत्र संबंधित अधिकारी के समक्ष अपने उपरोक्त कथन समर्थन में प्रस्तुत कर रही हूं।

दावा आपत्ति नम्बर - 6260746884

शपथकर्ती

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /28932/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 24-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28932
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C0227A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAMTA LAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SANJAY LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. KAMINI JANGDE W/O SATISH 2. SATISH S/O** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BAGASRAM JANGDE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./28917/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 25-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28917
वार्ड का नाम- 66- वामनराव लाखे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR664A00284** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **VEENA VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEVENDRA VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHANDRIKA CHAUKSE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHASHIKANT CHAUKSE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./29015/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 25-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 29015
वार्ड का नाम- 61 श्याम प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 61 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR663S00546** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **LILESH KUMAR NISHAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHATUR RAM NISHAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RIYA DEY** पिता/पति श्री/श्रीमती **D/O LATE SAPAN KUMAR DEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./28792/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 25-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28792
वार्ड का नाम-33 - शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 33 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR332J00044** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AMAR MASIH PAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LT. IJAK PAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. MAINA RATRE** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O BHIKHARIRAM RATRE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक - 09
मोवा थाना के पिछे स्थित सामुदायिक भवन

क्र /900/न.पा.नि/जोन क्र. 09/2026
रायपुर, दिनाक 25.02.2026

।। प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायपुर के जोन क्रमांक निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिए **दिनांक 10/03/2026** को साया 5:00 बजे तक आवेदन के साथ निर्धारित राशि जमा कर सकेंगे। **दिनांक 12/03/2026 को सध्या 5.30** तक निविदा रजिस्टर्ड ताकी के माध्यम से नगर पालिक निगम जोन कार्यालय क्र. 09. में आमंत्रित की जाती है। इस हेतु को साया 5.00 बजे तक निविदा प्रपत्र जारी होगे। प्राया निविदायें अगले कार्यदि को अपरान्ह 12.00 बजे उपस्थित निविदाकारी अथवा उनके अधिकत 9 में निम्न कार्य हेतु सोलंबद निविदा नियमानुसार तीन लिफाफा पद्धति से दिनाक 18/03/2026 प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेंगी।

क्र.	मद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित व्यय (रूपये लाख में)	अमानती राशि (रूपये लाख में)	निविदा प्रपत्र मूल्य में)	निविदा प्रपत्र प्रारूप	समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी	एसओआर दर
1	सानान्य	महात्मा गहरी वार्ड क्रमांक-08-अंतर्गत लडडू मुक्तिधाम के बास अधरे रोड को पूर्ण करने कर कार्य	7.48	5700.00	750.00	A	04 माह	ई. रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर	लोक निर्माण विभाग के भवन एस.ओ. आर. दिनांक 01.01.2015 में प्रभावशील एस.ओ.आर तथा निविदा दिनांक
2	पार्षद निधि	लालबहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक-51 अंतर्गत शासकी स्कूल, शालाओं के उद्यान व सार्वजनिक में सीसी चेयर लगाने का कार्य।	1.00	2000.00	300.00	B	01 माह	ई. रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर	नॉन एस.ओ. आर. आईटम
3	शिक्षा विभाग से प्राप्त निधि	शासकीय नवीन प्राथमिक शाला जोरा (एसएसए) में शौचालय निर्माण कार्य।	1.03	2000.00	300.00	A	01 माह	ई. रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर	लोक निर्माण विभाग के भवन एस.ओ. आर. दिनांक 01.01.2015 में प्रभावशील एस.ओ.आर तथा निविदा दिनांक

। प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायपुर के जोन क्रमांक 9 में निम्न कार्य हेतु सीलंबद निविदा नियमानुसार तीन लिफाफा पद्धति से दिनांक 18/03/2026 को संध्या 5.30 तक निविदायें रजिस्टर्ड डाक / स्पीड पोस्ट के निम्न कार्य हेतु सीलबंद निविदा नियमानुसार सय क्र. 09. में आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिए दिनांक 10/03/2026 को रोच्या मदन के साथ निर्धारित राशि जमा कर सकेगें। दिनांक 12/03/2028 को संच्या 5.00 बजे तक निविदा प्रपत्र जारी होगें। प्राप्त निविदायें अगले कार्यदिवस को अपरान्ह 12:00 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेंगी।

क्र.	मद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित व्यय (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य	निविदा प्रपत्र पारूप	समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
4	सामान्य मद	जोन क्रमांक - 9 स्वास्थ्य विभाग हेतु 01 सुपरवाईजर (उच्च कुशल श्रमिक) कलेक्टर दर पर प्लेसमेंट में रखे जाने हेतु	205405.00	2000.00	750.00	B	12 माह	श्रम आयुक्त कार्यालय में पंजीकृत प्रमाण पत्र ई. पी. एफ. कार्यालय, कर्मचारी राज्य बीमा निगम में पंजीकृत

नोट :-

1. कार्य से संबंधित जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 09, से प्राप्त की जा सकती है। उक्त निविदा सबंधी जानकारी नगर निगम पोर्टल से भी प्राषा की जा सकती है।
2. नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा उपरोक्त कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर में पंजीकृत पंजीयन प्रणाली से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत से तीन लिफाफा पद्धति जमा करना है।
3. लिफाफा (अ) में अमानती राशि का एफडी.आर. व शपथ पत्र एवं चाही गई समस्त दस्तावेज।
4. लिफाफा (ब) में निविदा प्रपत्र भरकर सीलबंद करना होगा। (अ) (4) एक अन्य तीसरे लिफफे (स) में भरकर ही स्पीड पोस्ट के द्वारा प्राप्त किया जावेगा।
5. सर्वप्रथम लिफाफा (स) खोलने के पश्चात् लिफाफा (अ) खोला जावेगा, जिसमें शपथ पत्र, अमानती राशि का एफडी.आर. एवं अन्य चाही गई दस्तावेज होने पर ही निविदा प्रपत्र की लिफाफा (ब) खोली जावेगी तथा लिफफे में 'अ' 'ब' एवं 'स' अंकित होना अनिवार्य है।
6. निविदा में उल्लेखित उपरोक्त दिनांक में शासकीय अवकाश होने की स्थिति में अगले कार्यालयीन दिवस में कार्यवाही किया जावेगा।
7. सक्षम श्रेणी का ई-रजिस्ट्रेशन की छायाप्रति, कार्य की राशि का 15 प्रतिशत बैंक साल्वेशी, अंतिम 03 वर्ष का आई टी.आर., पेनकार्ड, जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन, जी.एस.टी. रिटर्न (अंतिम तीन माह), अमानती राशि का एफ डी.आर. एवं शपथपत्र (रु. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाप पेपर के साथ) प्रेषित करना अनिवार्य होगा।
8. 03 वर्ष के आयकर की बाध्यता नये फर्मों के लिए बंधनकारी नहीं होगी। तीन लिफाफा पद्धति में लिफाफा नहीं देने पर निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। ठेकेदारों को फार्म में दिये गये शर्त अनुसार कार्य किया जाना अनिवार्य होगा।
9. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार नगर निगम, रायपुर के पास सुरक्षित है।
10. ठेकेदारों को फार्म में दिये गये शर्तों के अनुसार कार्य किया जाना अनिवार्य होगा।
11. एस.ओ.आर. दर से 10 प्रतिशत से कम दर प्राप्त होने पर अंतर की राशि पृथक से अमानती राशि एफडी.आर. के रूप में इकरारनामा के पूर्व जमा करना होगा।
12. शासकीय अवकाश या आकस्मिक अवकाश की स्थिति में तिथि एवं समय में परिवर्तन का अधिकार जोन आयुक्त के पास सुरक्षित होगा।
13. कोई विवाद न हो। कार्यालय द्वारा निर्धारित नियम व शर्ते प्राक्कलन एवं स्थल का अवलोकन निविदा हेतु आवेदन प्रेषित करने के पूर्व कर लिया जाये जिससे अंतिम समय में
14. स्थल विवाद की स्थिति में जोन आयुक्त / आयुक्त महोदय द्वारा कार्यदिश निरस्त किये जाने की स्थिति में किन्ही कार का क्षतिपूर्ति राशि देय नहीं होगा।

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक - 09.
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./28876/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 25-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28876
वार्ड का नाम- 35- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 35 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR436J0153A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SABIHA PRAVEEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **EJAJ KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती फातिमा बेगम** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री फिरोज खान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, बिक्रीनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./28874/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 25-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28874
वार्ड का नाम- 35- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 35 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR436J0153B** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **EJAJ KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VAHAB KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **फिरोज खान** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री अमजद खान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, बिक्रीनामा, रसीद** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /28931/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 24-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28931
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C00362** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHOJ LAL , NARENDRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RADHE LAL RANA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NARENDRA KUMAR RANA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RADHELAL RANA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /28933/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 24-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28933
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568B00814** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAMLA BAI DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE JIVRAKHAN DEWNGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PREM KUMAR SHREEVAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAN SINGH SHREEVAS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./28877/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 25-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28877
वार्ड का नाम- 35- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 35 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR436J00153** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SALIHA BEGAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **IBRAHIM KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सरफराज खान** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री फिरोज खान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, बिक्रीनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./28962/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 25-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28962
वार्ड का नाम- 15 ने. कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108B00038** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **FARUKH AHAMAD ANIL AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHEKH MANGAL SAJAN AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MS. AASHRA BUILDERS PARTNER ANIL KUAMR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SAJAN KUMAR AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28211/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 25-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28211
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739C0128A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MO. ISMAIL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MO. SIDDIQ** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद युनूस** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मरहूम हाजी मोहम्मद सिद्दीकी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28987/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 25-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28987
वार्ड का नाम-45-मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR440C00023** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANDEEP BAGHEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAXMAN BAGHEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अनीशा जोहरी अली** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सैय्यद सैफुल्लाह अली** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28928/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 25-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28928
वार्ड का नाम-43-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758D0092C** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LAKHANLAL NIRMALKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **.....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अजय निर्मलकर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. लखन लाल निर्मलकर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./29016/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 25-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 29016
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757B00459** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KANCHAN DEVI BARADIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRAFULLA KUMAR BARADIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद नूर हुसैन हलदार** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मोहम्मद हसैन हलदार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28849/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 25-02-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 28849
वार्ड का नाम-57-भगवती चरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR447D0295A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJAL DAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मनोज चावला, महेश चावला** पिता/पति, श्री/श्रीमती **दोनों पिता स्व. लक्ष्मण दास चावला** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 03 रायपुर
मामले की श्रेणी : राजस्व

संदर्भः जिला रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.-00071 बोरियाखुर्द ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-.
RD 202526440726600102

ईशतहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00071 के अंतर्गत ग्राम बोरियाखुर्द के वर्तमान भूमिस्वामी **उषा साहू पिता/पति-नरसिंग साहू पता-पुराना धमतरी रोड, डुंडा, रायपुर** के द्वारा धारित भूमि खसरा **क्रमांक 298/45 (0.0048)** में प्रस्तावित भूमिस्वामी/**क्रेता सौरभ सहारे पिता/पति-स्व. राजकुमार सहारे पता-सतनामी पारा नकटी मंदिर हसौद रायपुर** के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खातं विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई **दिनांक 16/03/2026** को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय आतिरिक्त तहसीलदार 03 रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज **दिनांक 20/02/2026.** को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार:
PRAKASH SONI
रायपुर

मुहर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, गुरूवार 26 फरवरी 2026

तर्कहीन व छत्तीसगढ़ की दुर्गति करने वाला बजट, रोजगार, शिक्षा, कृष, महिला सुरक्षा किसी पर कोई प्रावधान न होना दुर्भाग्यपूर्ण-सुशील मौर्य

छत्तीसगढ़ को विकसित करने का नहीं,भाजपा ने अपने मुनाफाखोरी का पेश किया बजट...

बस्तर के विकास हेतु सिर्फ सब्जबाग,साय सरकार का तीसरा बजट भी निराशाजनक,ओपी चौधरी ने जनता को टोपी पहनाने पेश किया बजट

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य ने छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा मंगलवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश किए जाने के बाद तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा बजट में रोजगार,शिक्षा,कृषक, महिला सुरक्षा किसी पर कोई प्रावधान न होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है किसानों की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरने वाला बजट है।प्रदेश सरकार खुद को किसानों का हितैषी बताती है, लेकिन समर्थन मूल्य पर धान खरीदने में सरकार की ओर से आना-कानी की जाती है और नए-नए नियम व शर्तें लागू कर किसानों को अपनी उपज बेचने से वंचित किया जाता है।प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार किसान हैं, लेकिन प्रस्तुत बजट में किसानों के लिए कोई ठोस और भरोसेमंद प्रावधान नजर नहीं आना दिशाहीन बजट में आता है।छत्तीसगढ़ को विकसित करने का नहीं,भाजपा ने अपने मुनाफाखोरी का पेश बजट किया है इस बजट मुनाफा और संसाधनों की लूट का संकल्प है आयरन स्टील और कृषि आधारित इकाइयों के संरक्षण के लिए कुछ नहीं है। अनियमित और संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण का वादा भी पूरा नहीं हुआ। रसोइया संघ और महिलाओं के लिए भी बजट में कोई

विशेष प्रावधान नहीं है।यह बजट महिलाओं के लिए निराशाजनक बजट है। महिला सुरक्षा और रोजगार के लिए कोई विशेष पैकेज नहीं है। रानी दुर्गावती योजना भी अस्पष्ट है। 500 रुपये में रसोई गैस सिलिंडर के वादे के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया।साय सरकार का तीसरा बजट भी जनता को निराश करने वाला बजट है वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जनता को टोपी पहनाने पेश वाला बजट पेश किया है।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा वित्त मंत्री ओपी चौधरी का बजट वाले भाषण में बस्तर के विकास के लिए सिर्फ सब्जबाग दिखाए गए। क्योंकि इस बजट में पेश वादों को पूरा करने वाले प्रावधान निराश करने वाले रहे हैं।पिछले बजट में घोषित 20 हजार शिक्षकों की भर्ती में से कितने की भर्ती हुई ओपी चौधरी पहले ये बताए..? भाजपा के विधानसभा चुनाव वादे,पांच साल में एक लाख युवाओं को नौकरी देने, बजट में नए स्कूल, महाविद्यालय, कौशल उन्नयन, सिंचाई बांध या महिला स्व-सहायता समूह के रोजगार के लिए कुछ नहीं है। उद्योगों के विकास के लिए भी कोई प्रावधान नहीं दिखा। युवाओं को बेरोजगारी भत्ता और छात्राओं को मुफ्त यातायात के वादों पर भी वित्त मंत्री ने कुछ नहीं किया है। घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए मात्र 80 करोड़ रुपये का प्रावधान 200 यूनिट मुफ्त बिजली योजना बंद करने का संकेत है। डीएड अभ्यर्थियों की भर्ती, आंगनबाड़ी बहनों और रसोइया संघ के लिए भी बजट में कुछ नहीं है।अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने और 56 हजार शिक्षकों के खाली पदों को भरने के लिए भी कोई प्रावधान नहीं किया गया।भर्ती परीक्षा की एजेंसी को मजबूत करने वाली भाजपा सरकार बताए कि एक वर्ष में कितनी नौकरियां दी जाएंगी पर इस पर कोई स्पष्टता नहीं है।वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बजट के भाषण में कहा जगदलपुर में एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल योजना पर अभी तक काम ही चल रहा है। जबकि सुपर स्पेशलिस्ट कॉन्टिनेंटल अस्पताल में लुट का कारोबार चल रहा है किसी भी जनप्रतिनिधियों ने आवाज तक नहीं उठाई और आज बजट में इन क्षेत्रों के समुदायों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की बात की जा रही है।कुल मिलाकर वित्त मंत्री ओपी चौधरी के द्वारा पेश बजट तर्कहीन व छत्तीसगढ़ की दुर्गतिकरने वाला बजट है।

संक्षिप्त समाचार

समय पर निर्माण कार्य एजेंसियां कार्य को करे पूर्ण - विजेंद्र सिंह पाटले

सुरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार) सूरजपुर जिले के कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले के अध्यक्षता में समग्र शिक्षा एवं पीएमश्री के स्कूलों के निर्माण कार्य की समीक्षा संबंधित एजेंसियों की उपस्थिति में की गई। निर्माण एजेंसी लोक सेवा यांत्रिकी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल, क्रेडा, जनपद पंचायत एवं नगर पंचायत के अधिकारियों की उपस्थिति में सभी निर्माण कार्यों का विद्यालयवार समीक्षा किया गया तथा 15 एवं 31 मार्च का समय देकर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजेंद्र सिंह पाटले ने बालिका शौचालय को 8 मार्च से पहले पूर्ण करने का कड़ा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पीएमश्री विद्यालय विभाग के प्राथमिकता में से है, और इसका मॉनिटरिंग राज्य और केंद्र स्तर से किया जा रहा है, सभी एजेंसियां समय पर निर्माण कार्य सुनिश्चित करें। यदि ठेकेदार कार्य में विलंब कर रहे है तो नोटिस जारी कर कार्यवाही करें। कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी जनपद सीईओ को पंचायत स्तर पर निर्माण कार्य की समीक्षा करने एवं बीआरसीसी को एजेंसियों से समन्वय बनाकर निर्माण कार्यों का अपडेट देने का निर्देश दिया। आज के बैठक में सभी एजेंसियों के विभागीय अधिकारी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक एवं बीआरसीसी उपस्थित थे।

वीं जुनियर नेशनल वॉलीबाल चैम्पियनशिप हेतु नेशनल टीम में सूरजपुर से 2 कोच का चयन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) पश्चिम बंगाल के हुगली में होने वाली 46 वीं सब जुनियर नेशनल वॉलीबाल चैम्पियनशिप का आयोजन 24 फरवरी से 01 मार्च तक आयोजित है, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के बालक एवं बालिका दोनों ही वर्गों की टीम भाग ले रही है। जिसमें सहायक कोच हेतु बालक वर्ग में सूरजपुर निवासी रविन्द्र सिंह एवं बालिका वर्ग में सूरजपुर लटोरी निवासी हेमन्त कुमार का चयन किया गया है। सूरजपुर एमेच्योर वालीबाल संघ जिला अध्यक्ष श्री अजय गोयल के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करते हुये उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनायें दी गई। जिला सचिव रामश्रृंगार यादव के द्वारा खुशी जाहिर करते हुये इसे सूरजपुर जिला की बड़ी उपलब्धि बताया है। सूरजपुर एमेच्योर वालीबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अजय गोयल के मार्गदर्शन में, सचिव श्री राम श्रृंगार यादव ने संघ के सदस्यों से संबाद कर जिले की सभी टीमों से लगातार संपर्क बनाने से सूरजपुर जिले को एक नई पहचान मिली है। सब जुनियर नेशनल बाल्क वर्ग के सहायक कोच के रूप में श्री रविन्द्र सिंह एवं बालिका वर्ग के सहायक कोच श्री हेमंत कुमार राजवाड़े ने कोलकाता (हुबली) में अपने दायित्वों का निर्वहन कर सूरजपुर वालीबाल संघ को गौरवान्वित कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ स्टेट वालीबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री महेश गागड़ा, उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम खान एवं सचिव श्री हेम प्रकाश नायक ने सूरजपुर एमेच्योर वालीबाल एसोसिएशन को यह दायित्व मिला संघ के प्रति आभार व्यक्त करता है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज अपने गैलेक्सी इकोसिस्टम में गैलेक्सी एआई का विस्तार किया

नईदिल्ली। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज अपने गैलेक्सी इकोसिस्टम में गैलेक्सी एआई का विस्तार करते हुए 'मल्टी-एजेंट इकोसिस्टम' को और मजबूत करने की घोषणा की है। कंपनी का उद्देश्य यूज़र्स को अधिक विकल्प, और बेहतर नियंत्रण देना है, ताकि वे अपने दैनिक कार्य कम मेहनत और अधिक स्वाभाविक तरीके से पूरे कर सकें। कंपनी के अनुसार, अब लोग अलग-अलग कामों के लिए कई तरह के एआई एजेंट्स का उपयोग कर रहे हैं। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, 10 में से लगभग 8 यूज़र्स दो या उससे अधिक एआई एजेंट्स पर निर्भर हैं। इसी बदलाव को देखते हुए, सैमसंग गैलेक्सी एआई को इस तरह विकसित कर रहा है कि यूज़र अपनी पसंद और जरूरत के हिसाब से अलग-अलग इंटीग्रेटेड एआई अनुभवों को चुन सकें। गैलेक्सी एआई को ऑपरेटिंग सिस्टम के स्तर पर गहराई से जोड़ा गया है। यह केवल किसी एक ऐप तक सीमित रहने के बजाय पूरे डिवाइस के सिस्टम लेवल पर काम करता है।

सूरजपुर की उम्मीदों पर फिरा पानी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने बजट को बताया छलावा

सरकार ने जिले को विकास के नक्शे से मिटाया

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा आज पेश किए गए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सूरजपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने इसे पूरी तरह दिशाहीन और जनविरोधी करार दिया उन्होंने कहा कि यह बजट केवल विज्ञापनों और आंकड़ों की बाजीगरी है जिसमें छत्तीसगढ़ के आम आदमी, किसान और युवाओं के लिए कुछ भी नया नहीं है।

सूरजपुर की घोर उपेक्षा: शशि सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री का गृह संभाग से होने के बावजूद, सूरजपुर जिले के लिए इस बजट में कोई भी बड़ी स्वास्थ्य सुविधा या नए मेडिकल कॉलेज की ठोस पहल नहीं दिखी।

किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर चोट: अध्यक्ष ने कहा कि सूरजपुर के किसान अपनी मेहनत के हक के लिए तरस रहे हैं बजट में न तो खाद-बीज की किल्लत दूर करने का कोई रोडमैप है और न ही धान के बोनस को लेकर कोई स्पष्ट नीति सरकार ने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के बजाय कर्ज के दलदल की ओर धकेल दिया है।

महंगाई पर सरकार का 'मौन' व्रत: अध्यक्ष ने कहा कि महतारी वंदन योजना के नाम पर एक हाथ से पैसे देकर महंगाई और टैक्स के जरिए दूसरे हाथ से जनता की जेब काटी जा रही है। रसोई गैस, पेट्रोल और जरूरी वस्तुओं की कीमतों को कम करने की दिशा में बजट पूरी तरह मौन है।

यह बजट विकसित छत्तीसगढ़ का नहीं, बल्कि 'विज्ञापनी छत्तीसगढ़' का बजट है। भाजपा सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उनकी प्राथमिकता में आम जनता नहीं बल्कि केवल बड़े पूंजीपति हैं सूरजपुर की जनता इस अन्याय का जवाब आने वाले समय में जरूर देगी।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट पशु विकास दिवस के माध्यम से 'सर्वोत्तम सेवा' में अग्रणी; 1.55 लाख ग्रामीणों पर उत्पन्न किया सकारात्मक प्रभाव

रायपुर : भारत की अग्रणी एनबीएफसी में से एक एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 14 फरवरी 2026 को अपनी प्रमुख पशु कल्याण एवं ग्रामीण आजीविका पहल, पशु विकास दिवस के आठवें संस्करण का सफल समापन किया। 'सर्वोत्तम सेवा: पशु, परिवार और प्रगति' की थीम पर आधारित इस पहल ने पशुओं के स्वास्थ्य, परिवार के कल्याण एवं स्थायी प्रगति को बढ़ावा देकर समग्र ग्रामीण विकास के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाया।

2014 में लॉन्च किया गया पशु विकास दिवस पशु मालिकों को नि:शुल्क वेटेरीनेरी सेवाएं और विशेशज्ञों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उनकी स्वास्थ्यसेवा संबंधी ज़रूरतों को पूरा करता है। पिछले सालों के दौरान यह पहल देश के सबसे बड़े एक दिवसीय पशु कल्याण प्रोग्रामों में से एक के रूप में उभरी है।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 1.55 लाख से अधिक ज़िंदगियों पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया है, जिसके तहत तकरीबन 1.4 लाख पशुओं का इलाज किया गया, 14,000 से अधिक लोगों को स्वास्थ्यसेवाओं में सहयोग दिया गया, इससे 30,000 से अधिक परिवारों को लाभ हुआ। इस पहल का संचालन 16 राज्यों में 510 एसएमएफजी ग्रामशक्ति शाखाओं में किया गया, जो ग्रामीण भारत में कंपनी की गहरी पहुंच को दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ में पशु विकास दिवस का आयोजन 17 लोकेशनों में किया गया, जिसके तहत तकरीबन 4000 पशुओं को स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं मुहैया कराई गईं और 650 से अधिक परिवारों को लाभ हुआ। हर कैम्प में स्थानीय वेटेरीनेरी डॉक्टरों ने पशुओं की नि:शुल्क जांच की, पशुओं के लिए मुफ्त दवाएं बांटी गईं, टीकाकरण किया और दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सलाह दी गई।

इस पहल के सफल समापन पर बात करते हुए श्री रवि नारायणन, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ़ एक्ज़िक्टिव ऑफ़िसर, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने कहा, ''सर्वोत्तम सेवा सर्वोच्च मानकों की सेवाएं उपलब्ध कराने के बारे में है- जहां सहानुभूति के साथ प्रभाव और इरादे का संयोजन गहरा प्रभाव उत्पन्न करता है। ग्रामीण भारत में पशुओं का स्वास्थ्य, परिवारों की सुरक्षा और आर्थिक प्रगति एक दूसरे के साथ गहराई से जुड़े हैं। पशु विकास दिवस पशुओं की देखभाल, आजीविका के सशक्तीकरण और समुदायों के कल्याण को समर्थन देकर इस सिस्टम को मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस पहल के ज़रिए हमारा उद्देश्य ऐसे स्थायी परिणामों का निर्माण करना है जो किसान के परिवार को सशक्त बनाएं और बुनियादी स्तर पर समावेशी विकास को बढ़ावा दें।''

कलर्स के 'लाफ्टर शेफ़्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में वाइल्ड कुकिंग के जंगल में आपका स्वागत है!

कलर्स के शो 'लाफ्टर शेफ़्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' की किचन इस बार जंगल थीम में तब्दील हो गई, जहां कुकिंग का हंगामा हंसी से भरे सफ़ारी में बदल गया। एप्रन की जगह जानवरों के अंदाज़ ने ली और किचन का फ्लोर जंगल में बदल गया, जहां सिर्फ एक ही नियम था-हंसो या हंसाओ! जंगल स्पेशल एपिसोड में प्रतिभागियों ने अपने वाइल्ड अंदाज़ को अपनाया अंकिता लोखंडे बिल्ली बनकर मंच पर आईं, सुधेश लेहरी जंगल सफ़ारी गार्ड के रूप में नज़र आए, जन्नत जुबैर ने केंचुए का किरदार निभाया, कृष्णा ऊँट बने, सामर्थ घोड़े के रूप में आए, भारती तितली की तरह इधर-उधर उड़ती दिखीं, जबकि बाकी टीम भी उतने ही मज़ेदार और अनोखे अवतारों में दिखाई दी। इस वाइल्ड मस्ती में क्यूटनेस का तड़का तब लगा जब कंटेस्टेंट्स अपने असली पालतू जानवरों को लेकर पहुंचे। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश अपने डॉग्स मज़नू और डाकू को लेकर आए, अंकिता ने अपनी बिल्ली माऊ से सबको मिलवाया, अर्जुन बिजलानी अपनी कैट ऑरा के साथ आए, जबकि अली गोनी अपने डॉग रैम्बो को लेकर पहुंचे। कुछ देर के लिए किचन पालतू जानवरों का पैराडाइज़ बन गई और दिल पिघल गए, भले ही काउंटर पर कुकिंग का हंगामा जारी रहा। जंगल तब और ज़िंदा हो उठा जब तेजस्वी ने अपने आइकॉनिक ट्रैक ÷मैं नागिन÷ पर नागिन-स्टाइल एंट्री की। सर्प क्वीन के अवतार में उन्होंने अपना मशहूर नागिन डायलॉग बोला-इस बार 'लाफ्टर शेफ़्स' के खास ट्विस्ट के साथ। लेकिन इससे पहले कि वह ज़्यादा आगे बढ़ पातीं, कृष्णा अभिषेक ने रोस्ट करते हुए चुटकी ली कि तेजस्वी घंटों मेकअप में बैठती हैं, फिर लेट हो जाती हैं और उसके बाद रोने लगती हैं।

स्वयं सेवी संस्था पथ प्रदर्शक का मिशन रक्तदान हिंदुस्तान के तहत केन्द्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर में रक्तदान शिविर आज

रक्तदान को हिन्दुस्तान में जन आंदोलन बनाने का प्रयास में लगी संस्था - बमेन्द्र

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) हिन्दुस्तान में रक्तदान को जन आंदोलन बनाने के प्रयास में औरंगाबाद, बिहार की स्वयं सेवी संस्था पथ प्रदर्शक द्वारा लगातार कई तरह के रक्तदान जागरूकता का अभियान चलाया जा रहा है,जिसमें प्रमुख रूप से एक अभियान है मिशन रक्तदान हिंदुस्तान।इस अभियान के तहत संस्था के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह रक्तदान का अलख जगाने एवं रक्तदान को जन आंदोलन बनाने के

उद्देश्य से देश के अलग अलग राज्यों के भिन्न भिन्न शहरों में वहां की स्थानीय संस्था के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित कर रहे हैं। इसी कड़ी में पथ प्रदर्शक द्वारा आज मिशन रक्तदान हिन्दुस्तान अभियान के तहत एसईसीएल बिश्रामपुर के महाप्रबंधक डॉ संजय कुमार सिंह के सहयोग से आज स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है। सेंट्रल हॉस्पिटल बिश्रामपुर में प्रात: दस बजे से दोपहर तीन बजे तक शिविर का आयोजन सुनिश्चित किया गया है।

रक्तसेवक बमेन्द्र ने कहा की हिंदुस्तान में रक्तदान को जन आंदोलन बनाने का प्रयास है मेरा,ताकि ब्लड बैंक में रक्त की किल्लत न हो और रक्त की कमी के कारण किसी की जान न जाए।उन्होंने बताया कि संस्था पथ प्रदर्शक द्वारा अभी तक दो सौ से ज्यादा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा चुका है।मिशन रक्तदान हिंदुस्तान के तहत यह नौवां राज्य का इक्कीसवां रक्तदान शिविर है।

राज्य बजट किसान एवं युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम-कपिल पांडेय

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रस्तुत राज्य बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा नेता कपिल पांडेय ने कहा कि यह बजट प्रदेश के किसानों और युवाओं को केंद्र में रखकर तैयार किया गया दूरदर्शी एवं विकासोन्मुख बजट है, जो आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए कृषि पंपों पर मुफ्त बिजली, ग्रामीण अधोसंरचना के विस्तार तथा कृषि सुविधाओं में वृद्धि से खेती

को मजबूती मिलेगी और किसानों की आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी। सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए किए गए प्रावधान गांव और किसान दोनों के विकास को नई गति देंगे।

किसानों की आय बढ़ाने वाला बजट-अजय अग्रवाल(अज्जू)

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत 1.72 लाख करोड़ के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए किसान मोर्चा जिला महामंत्री अजय अग्रवाल ने कहा कि यह बजट किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं कृषि श्रमिक

परिवारों को सशक्त बनाने वाला है।उन्होंने कहा कि किसानों के लिए ब्याज मुक्त निधि हेतु ?350 करोड़, सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण, सिंचाई एवं ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रावधान से खेती को मजबूती मिलेगी। भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों के लिए ?600 करोड़ का

प्रावधान ग्रामीण समाज के कमजोर वर्गों के लिए बड़ा सहारा बनेगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि सरकार द्वारा कृषि और गांव केंद्रित योजनाओं को प्राथमिकता देना किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

शहरी विकास और अधोसंरचना को नई गति देने वाला बजट-अरविंद मिश्रा

राज्य बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद मिश्रा ने कहा कि यह बजट शहरी विकास, सड़क निर्माण एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार को नई गति देने वाला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सड़क योजना हेतु ?200 करोड़, शहरों को जोड़ने वाली परियोजनाएं, शहरी अधोसंरचना एवं एजुकेशन सिटी जैसे प्रावधान प्रदेश के नगरों को आधुनिक स्वरूप प्रदान करेंगे। नगरीय क्षेत्रों में विकास कार्यों से व्यापार, निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, गुरूवार 26 फरवरी 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

सांप्रदायिक भावनाओं के कारण तनाव.....

राजनेताओं को स्वार्थ से उठ कर समस्या पर विचार करना चाहिए। समाज में सांप्रदायिक भावनाओं के कारण व्यक्तिगत रिश्ते तनाव में आ रहे हों, तब थोपी गई एकता कारगर नहीं हो सकती। जरूरत पहले सामाजिक दुराव खत्म करने की है। पिछले महीने मणिपुर चूराचंदपुर में 31 वर्षीय मयंगलम्बम सिंह का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी, जब वे अपनी मंगेतर से मिलने गए थे। मंगेतर कुकी-जो समुदाय की थी। उस हृदय-विदारक घटनाक्रम में इकट्ठी भीड़ ने युवती को वहां से जाने दिया। उसके बाद मयंगलम्बम सिंह को मार डाला गया। हत्यारों ने दया की भीख मांगते उस व्यक्ति का वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर प्रचारित किया। इस घटना से जाहिर हुआ था कि पौने तीन साल से जारी हिंसा ने मैतेई और कुकी समुदायों में किस हद तक दुराव पैदा किया है। उस घटना के बाद मीडिया में आई रिपोर्टों से संकेत मिला है कि सांप्रदायिक नफरत का ये जहर किस हद तक फैला चुका है। असर इतना घातक है कि अब विवाहित मैतई और कुकी दंपती अपने को मुसीबत में पा रहे हैं। ऐसे कई सामने आए मामले हैं, जिनमें ऐसे दंपतियों पर तलाक लेने का दबाव उनके समुदाय के लोगों ने बनाया हैं। उनमें कई दंपतियों की कई संतानें भी हैं। कुछ मामले तो ऐसे हैं, जिनमें पति- पत्नी हिंसा भड़कने के बाद से अलग रहने को मजबूर हैं। हैरतअंगेज है कि राजनीतिक दलों को समाज में उभरी ऐसी विभाजक प्रवृत्तियों की फिक्र नहीं है। इन हालात को नजरअंदाज करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने इस महीने मणिपुर में नई सरकार बनाई। उसके बाद से राज्य में हिंसा का नया दौर आया हुआ है। चूराचांदपुर, उखरुल और अन्य कुकी बहुल इलाकों में आगजनी, पथराव, पुलिस से झड़प आदि जैसी अनेक घटनाएं हुई हैं। कुकी-जो समुदाय के लोग अपनी बहुलता वाले इलाको को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग कर रहे हैं। यानी वे मणिपुर का हिस्सा नहीं रहना चाहते, जिसमें मैतेई बहुसंख्यक हैं। राजनेताओं को थोड़े समय के लिए स्वार्थ से उठ कर इस समस्या पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्हें समझना चाहिए कि जब समाज में सांप्रदायिक भावनाओं के कारण व्यक्तिगत रिश्ते तनाव में आ गए हों, तब ऊपर से थोपी गई राजनीतिक एकता कारगर नहीं हो सकती। अत: जरूरत पहले सामाजिक दुराव खत्म करने की है। इसे जितना नजरअंदाज किया जाएगा, स्थितियां उतनी ही विकट होती जाएंगी।

पाणिनि से एआई स्टैक तक.....दिल्ली का एआई गौरव और राष्ट्रीय क्षमता का लक्ष्य

हरदीप एस पुरी

जब पाणिनि ने बोली जाने वाली भाषा की अव्यवस्था को एक संक्षिप्त, गणनीय व्याकरण में परिवर्तित किया, तो उन्होंने एक बात साबित की, जो आज भी प्रासंगिक है: बुद्धिमत्ता सबसे शक्तिशाली तब होती है, जब इसे संरचना के रूप में व्यक्त किया जाता है। नालंदा इस सहज प्रवृत्ति को संस्थानों तक ले गया और बहस करने, संरक्षित करने और ज्ञान को सीमाओं के पार प्रसार करने के तरीके विकसित किए। भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी करने का भारत का निर्णय उसी सभ्यतागत भावना से प्रेरित है, क्योंकि तकनीक में अगली छलांग उन प्रणालियों के बारे में है, जो सीख सकती हैं, तर्क कर सकती हैं और बड़े पैमाने पर कार्य कर सकती हैं और दुनिया ऐसे भविष्य के बारे में सोच नहीं सकती, जिसमें केवल कुछ देश यह तय करें कि ये प्रणालियाँ कैसे बनाई जाएँगी। पिछले सप्ताह भारत मण्डपम में आयोजित यह शिखर सम्मेलन, एक वैश्विक दक्षिण राष्ट्र द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन था और किसी भी पूर्व आयोजन में इस स्तर की भागीदारी नहीं देखी गयी: 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री, 100 से अधिक देशों के 500 से अधिक एआई दिग्गज और विषय-आधारित दस पवेलियनों में 300 प्रदर्शक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत अपनी स्वयं की एक संगठनात्मक सोच प्रस्तुत कर रहा है: डेटा पर संप्रभुता, डिज़ाइन के अनुसार समावेश और स्वाभाविक जवाबदेही। देश वैश्विक पूंजी को इन शर्तों पर यहाँ निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहा है। प्रधानमंत्री के एम.ए.एन.ए.वी विजन में इस विचार की स्पष्ट अभिव्यक्ति हुई है: नैतिक पाबंदी, जवाबदेह शासन, डेटा पर संप्रभुता, ताकि ज्ञान के कच्चा माल का उस रूप में निष्कर्षण न किया जाए जैसे कभी वस्तुओं का किया जाता था; व्यापक पहुंच, ताकि लाभ मध्य प्रदेश के किसान तक उतने ही निश्चित रूप से पहुंचे, जितना बेंगलुरु के इंजीनियर तक और कानूनी वैधता, ताकि हर प्रयुक्त प्रणाली लोकतांत्रिक निरीक्षण के प्रति जवाबदेह बनी रहे। उनकी अवधारणा एआई को खुला आकाश देने की है, जबकि नियंत्रण मानव हाथों में रखा जाना चाहिए। यह अवधारणा एक ऐसी रेखा खींचती है, जिसे कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं खींचने में हिचकिचा रही हैं। अब इन सिद्धांतों का बहुपक्षीय महत्व है, जो शिखर सम्मेलन में अपनाई गई दिल्ली घोषणा के माध्यम से सामने आया, और इसे पहले से ही वैश्विक दक्षिण से आने वाली पहली प्रमुख एआई शासन रूपरेखा कहा जा रहा है। इस घोषणा की दृष्टि विकास-उन्मुख है, जिसका केंद्र तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण है और जो कठोर अनुपालन की तुलना में लचीली पाबंदियों को प्राथमिकता देता है। यह वैश्विक सहयोग को तीन स्तंभों पर व्यवस्थित करता है: लोग, पृथ्वी और प्रगति। भारतजेन जैसा जनसंख्या के पैमाने पर आधारित समाधान, जो 22 भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है और उस वास्तविकता को संबोधित करता है कि दुनिया का अधिकांश भाग अंग्रेज़ी में काम नहीं करता। भारत के अपने सब्सिडी वाले जीपीयू एक्सेस (?65 प्रति घंटा) पर आधारित एक प्रस्तावित वैश्विक कंप्यूट बैंक प्रवेश बाधाओं को हर जगह कम करता है। घोषणा में डेटा संप्रभुता पर जोर दिया गया है, जो सीधे एआई निष्कर्षणवाद को चुनौती देता है: एक पैटर्न, जिसमें विकासशील देशों से डेटा संग्रहित किया जाता है ताकि मॉडल को प्रशिक्षित किया जा सके। बाद में इन देशों को इसी मॉडल के लिए भुगतान करना पड़ता है। पिछले दशक के कार्यान्वयन ने इस रूपरेखा को विश्वसनीयता दी है, क्योंकि यह सरकार एआई तक किसी श्वेत पत्र के माध्यम से नहीं, बल्कि किसी भी लोकतांत्रिक देश द्वारा शुरू किये गये सबसे महत्वाकांक्षी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना कार्यक्रम के जरिये पहुँची है। यूपीआई ने 2025 में 228 बिलियन से अधिक लेन-देन संसाधित किए, जिनका मूल्य लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर था, जो दुनिया के वास्तविक समय पर कुल डिजिटल भुगतान का लगभग आधा है और यह वैश्विक स्तर पर वीसा द्वारा संसाधित किये गये कुल लेन-देन से भी अधिक है। जेएएम त्रय ने 2015 से अब तक ?3.48 लाख करोड़ से अधिक की कल्याण बचत प्रदान की है। किसी अन्य देश ने एक ही नीतिगत व्यवस्था के तहत पहचान, भुगतान और पात्रता-अधिकार के वितरण का निर्माण इस स्तर पर नहीं किया है और यही वह आधारशिला है, जिस पर भारत का एआई खड़ा है। यदि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को देश से जोड़ना था, तो एआई अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को क्षमता से जोड़ना है और यहाँ आंकड़े एक चौंकाने वाला अंतर दिखाते हैं: भारत दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत डेटा का उत्पादन करता है, लेकिन यहाँ वैश्विक डेटा-केंद्र क्षमता का केवल लगभग 3 प्रतिशत मौजूद है। अब इस अंतर को उसी इरादे के साथ पाटा जा रहा है, जिसने यूपीआई का निर्माण किया था: तेज़, बड़े पैमाने पर और संप्रभु डिजाइन के साथ। विचार करें कि भारत मंडपम में एक ही सप्ताह में क्या घोषणाएँ की गईं। माइक्रोसॉफ्ट: 2030 तक वैश्विक दक्षिण के लिए 50 बिलियन डॉलर, जिसमें से पहले ही 17.5 बिलियन डॉलर की भारत के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी है। गूगल: अमेरिका-भारत संपर्क पहल, जो पांच वर्षों में 15 बिलियन डॉलर से संचालित होगी। अमेज़न वेब सर्विसेज़: महाराष्ट्र में 8.3 बिलियन डॉलर। अदानी समूह: 2035 तक नवीकरणीय ऊर्जा-संचालित एआई डेटा केन्द्रों के लिए 100 बिलियन डॉलर। योटा डेटा सर्विसेज़: एनवीडिया के ब्लैकवेल अल्ट्रा चिप्स का उपयोग करके एशिया के सबसे बड़े एआई कंप्यूटिंग हब में से एक के लिए 2 बिलियन डॉलर से अधिक। लार्सन एंड टुब्रो: एनवीडिया के साथ भारत की सबसे बड़ी गीगावाट-स्केल एआई फैक्ट्री बनाने के लिए प्रस्तावित परियोजना। इंडियाएआई मिशन का राष्ट्रीय कंप्यूट क्लस्टर 38,000 जीपीयू पार कर चुका है और इसे 58,000 तक बढ़ाया जा रहा है, जो स्टार्टअप्स के लिए वैश्विक लागत के लगभग एक तिहाई पर उपलब्ध है। अगले दो वर्षों में एआई अवसंरचना में 200 अरब डॉलर के निवेश का सरकार का लक्ष्य महज आकांक्षा नहीं है; घोषित प्रतिबद्धताएँ इसे हासिल करने के दायरे में लाती हैं। केंद्रीय बजट 2026-27 का उद्देश्य इस निवेश को दीर्घकालिक संरचनात्मक लाभ में बदलने का है, जो उन विदेशी कंपनियों के लिए टैक्स होलीडे का 2047 तक विस्तार करता है, जो वैश्विक क्लाउड सेवाओं के लिए भारतीय डेटा सेंटर का उपयोग करती हैं तथा एआई और उच्चतम निर्माण स्टार्टअप्स के लिए 1.1 अरब डॉलर के वेंचर कैपिटल फंड का वचन देती हैं। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन, जिसका परिव्यय 34,000 करोड़ रुपये से अधिक का है, लिथियम, कॉबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी धातुओं को सुरक्षित करता है, जिन पर एआई और सेमीकंडक्टर का निर्माण निर्भर होता है। हालाँकि यह सब तब तक मायने नहीं रखता, जब तक यह लोगों तक नहीं पहुँचता। शिखर सम्मेलन के पहले दिन, 2.5 लाख से अधिक छात्रों ने नवाचार के लिए जिम्मेदार एआई का उपयोग करने की शपथ ली, यह संख्या गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की मान्यता के लिए प्रस्तुत की गई है। तीस डेटा और एआई लैब्स स्तर 2 और स्तर 3 के शहरों में काम कर रहे हैं, जो 570-लैब नेटवर्क की योजना का पहला प्रयास है, जबकि एआईकोश 7,500 से अधिक डेटासेट और 273 मॉडलों को साझा सार्वजनिक अवसंरचना के रूप में पेश करता है। जब यह सरकार सत्ता में आई थी, तब भारत में 16 आईआईटी थे; आज 23 हैं। ओपनएआई के सीईओ ने बताया कि भारत चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जिसके 100 मिलियन साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। खपत यहाँ है, और उत्पादन क्षमता रफ़्तार पकड़ बना रही है: शिखर सम्मेलन में तीन संप्रभु एआई मॉडल पेश किए गए, जिनमें सर्वम एआई का 105-बिलियन-पैरामीटर व्यापक भाषा मॉडल शामिल है, जिसे पूरी तरह भारतीय कंप्यूटिंग और भारतजेन का परम2 पर प्रशिक्षित किया गया है, एक 17-बिलियन-पैरामीटर बहुभाषी मॉडल, जो सभी 22 अनुसूचित भाषाओं का समर्थन करता है। ये विदेशी मॉडलों के अनुकूल किये गये संस्करण नहीं हैं; इन्हें संप्रभु अवसंरचना पर शुरुआत से बनाया गया है। यह भी जानकारी देने योग्य है कि साझेदारी की संरचना अब कैसे तैयार की जा रही है, क्योंकि अब यह विदेशी तकनीक के लाइसेंस के बारे में नहीं है।

आलेख

यूट्यूब से कमाई का बुलबुला फूट रहा

हरिशंकर व्यास

भारत में तीन दशक पहले डिजिटल क्रांति आई तो भारत कंप्यूटर और इंटरनेट का दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना। वैसे ही डेढ़ दशक पहले सोशल मीडिया की क्रांति हुई तो भारत उसका भी सबसे बड़ा बाजार बना। भारत में अभी फेसबुक, यूट्यूब, गूगल आदि के सबसे ज्यादा उपयोगकर्ता हैं। इसी तरह दो साल पहले जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की क्रांति हुई उसका भी सबसे बड़ा बाजार भारत बन गया है। भारत में ओपन एआई का इस्तेमाल करने वाले सबसे ज्यादा लोग हैं। जिस तरह से भारत आईटी क्रांति और सोशल मीडिया क्रांति का बाजार बना है उसी तरह एआई क्रांति का भी बाजार बना है। लेकिन अब इस बाजार के डायनेमिक्स बदल रहे है। अमेरिका की एआई कंपनियों ने मार्केटिंग की दिशा में अगला कदम बढ़ा दिया है। खबर है कि अब उनके एआई प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल मुफ्त नहीं होगा। पहले चरण में इसमें विज्ञापन इंट्रोड्यूस किए जा रहे हैं। एआई का कोई भी प्लेटफॉर्म खोलने पर विज्ञापन चलेगा। अगर किसी को विज्ञापन मुक्त सेवा लेनी है तो उसे सब्सक्रिप्शन लेना होगा। मार्केटिंग का यह तरीका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स द्वारा पहले से आजमाया जाने लगा है। प्रीमियम सर्विस के लिए पैसे देने होते हैं और मुफ्त सर्विस में विज्ञापन चलते हैं। इस विज्ञापन से अरबों डॉलर की कमाई होती है और वह पूरा पैसे अमेरिका जाता है। सोचें, विज्ञापन भारत के उत्पादों का होता है और उनके खरीदार भी भारत के लोग होते हैं। लेकिन उसका विज्ञापन करने वाला प्लेटफॉर्म विदेशी है। पहले विज्ञापन का प्लेटफॉर्म अखबार, पत्रिकाओं और टेलीविजन चैनलों का होता था। बाद में इसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म्स शामिल हुए। धीरे धीरे उन्होंने बाजार पर कब्जा करना शुरू किया। सरकारों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर विज्ञापन के नए नियम बनाए। आज विज्ञापन का सबसे ज्यादा हिस्सा डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को जाता है। उसमें गूगल, यूट्यूब, फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम आदि की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी है। ऐसा नहीं है कि इसका लाभ सिर्फ अमेरिकी कंपनियों ने उठाया। उन्होंने भारत के सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स को कमाई का माध्यम भी उपलब्ध कराया। भारत में रील बनाना और डिजिटल कंटेंट बना कर कमाई करना एक वैकल्पिक रोजगार बना। ऐसा रोजगार, जिसमें सरकारों की कोई भूमिका नहीं थी लेकिन पिछले ही साल बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्होंने डाटा इतना सस्ता कर दिया कि लाखों लोग डिजिटल कंटेंट बना कर कमाई कर रहे हैं। उन्होंने रीलबाजी को एक रोजगार बताया। इतना ही नहीं इस साल जब मोदी की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट पेश किया तो उसमें 15 हजार कंटेंट क्रिएशन लैब्स बनाने का प्रावधान किया । सोचें, दुनिया के सभ्य और विकसित देश इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी बनाने के लिए साइंस और टेक्नोलॉजी के लैब्स बना रहे हैं वही भारत में कंटेंट क्रिएशन के लैब बनने है! परंतु इस रोजगार की राह भी अब मुश्किल हो गई है। तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने दर्शकों और पाठकों तक रीच घटाई है। साथ ही मोनेटाइजेशन को कम किया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर तो पहले भी कम पैसे मिलते थे लेकिन यूट्यूब वीडियोज से लोगों को अच्छी खासी कमाई होती थी। पहले तो इनकी पैरेंट कंपनी मेटा ने वीडियो की लंबाई और गुणवत्ता के आधार पर भुगतान के नए नियम बनाए। इसमें छोटे यानी शॉर्ट वीडियोज और रील्स के लिए भुगतान काफी कम कर दिया। लंबे वीडियो पर अगर दर्शक ज्यादा देर टिकता था तो उसमें ज्यादा भुगतान के नियम बने। इस तरह 30 सेकेंड, तीन मिनट या उससे ज्यादा, 10 मिनट या उससे ज्यादा और 30 मिनट या उससे ज्यादा की अवधि वाले वीडियो की श्रेणियां बनाई गईं। पहले ये कंपनियां अनापशनाप पैसे देती थीं। लेकिन बाद में 10 मिनट का वीडियो अगर 10 हजार लोग देखते हैं तो एक डॉलर का भुगतान होने लगा। अब इसे और कम कर दिया गया है। एक बहुत ही चर्चित और वस्तुनिष्ठ खबरें दिखाने वाले सोशल मीडिया जर्नलिस्ट का कहना है कि उनके लंबे वीडियो पर पांच लाख व्यूज के बावजूद तीन हजार रुपए मिल रहे हैं।

देशी कंपनियों के सामने हार्ले डेविडसन की चुनौती

अजीत द्विवेदी

भारत और अमेरिका के बीच दोपक्षीय व्यापार वार्ता चलती रहेगी लेकिन उससे पहले अंतरिम समझौते की घोषणा हो गई है। जिस दिन घोषणा हुई यानी समझौते का फ्रेमवर्क और साझा बयान जारी हुआ उसके अगले दिन, आठ फरवरी को पता नहीं अमेरिका के अखबारों में किसी भारतीय उत्पाद का विज्ञापन छपा या नहीं, लेकिन भारत की राजधानी दिल्ली में सभी बड़े अखबारों में पहले पन्ने पर पूरे पेज पर अमेरिकी मोटरसाइकिल हार्ले डेविडसन का विज्ञापन छपा। 125 सीसी की हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल की कीमत तीन लाख रुपए से कम बताई गई। ध्यान रहे यह कोई सामान्य मोटरसाइकिल नहीं है। यह अमेरिकी औद्योगिक उत्पादन शृंखला का प्रतीक उत्पाद है। पहली बार राष्ट्रपति रहते डोनाल्ड ट्रंप इसी बाइक पर लगने वाले सौ फीसदी से ज्यादा टैरिफ को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नाराज हुए थे। उन्होंने भारत को टैरिफ किंग कहा था। बाद में भारत सरकार ने इस पर लगने वाला शुल्क कम किया। अब खबर है कि नए समझौते के तहत इस पर जीरो टैरिफ लगेगा। भारत में मोटरसाइकिल का बाजार बहुत बड़ा है और अब देशी कंपनियों के सामने हार्ले डेविडसन की चुनौती है। बहरहाल, अमेरिका के साथ होने वाले सौदे को लेकर बहुत सी बातें कही और लिखी जा चुकी हैं। जैसे पहले भारतीय उत्पादों पर तीन फीसदी टैरिफ लगता था अब 18 फीसदी लगेगा और भारत में अमेरिकी उत्पादों पर औसतन 15 फीसदी टैरिफ लगता था, जिसको शून्य किए जाने की खबर है। इसी तरह भारत ने रूस से तेल खरीदना कम कर दिया है और अमेरिका से खरीद बढ़ा दी है। ऐसे ही भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदना शुरू करेगा। यह तेल भारत को महंगा पड़ेगा। फ्रेमवर्क का ड्राफ्ट सामने आने और रूस से तेल खरीद की वजह से भारत पर लगाए गए 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ को वापस लेने के राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकारी आदेश की प्रति सामने आने के बाद कुछ नई और दिलचस्प चीजें पता चली हैं। ट्रंप के कार्यकारी आदेश में लिखा हुआ है कि अगर भारत ने फिर रूस से तेल खरीदना शुरू किया तो उसके ऊपर 25 फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है। सोचें, किसी संप्रभु राष्ट्र के लिए क्या कोई दूसरा देश इस तरह के आदेश और धमकी जारी कर सकता है? ट्रंप ने भारत के लिए जारी किया लेकिन सब अपनी सुविधा के हिसाब से उनकी अनदेखी कर रहे हैं। ऐसे ही फ्रेमवर्क में एक दिलचस्प बात यह है कि भारत अगले पांच साल में अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर के सामान खरीदेगा। यानी हर साल भारत को एक सौ अरब डॉलर के सामान खरीदने हैं। सवाल है कि भारत क्या खरीदेगा? अभी अमेरिका से भारत की औसत सालाना खरीद 40 अरब डॉलर की है। इसको दोगुने से ज्यादा बढ़ाना है। भारत अमेरिका से ऐसा क्या खरीदना शुरू करेगा कि उसका आयात दोगुने से ज्यादा बढ़ कर सौ अरब डॉलर यानी करीब नौ लाख करोड़ रुपए का हो जाएगा? यह सही है कि भारत ने तेल खरीद बढ़ा दी है। तेल व गैस की खरीद थोड़ी और बढ़ाई जा सकती है। कुछ विमान व विमानों के कल पुर्जों की खरीद बढ़ जाएगी लेकिन क्या इससे भारत का आयात दोगुना हो जाएगा? कम से कम पहले साल में तो नहीं होने वाला है। भारत दुनिया के दूसरे देशों से सस्ती और जरुरत की चीजें छोड़ कर अमेरिका से ज्यादा और गैरजरूरी चीजों की खरीद करे तब तो बात अलग है। अन्यथा ऐसे हर साल नौ लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदना मुश्किल होगा। अगर भारत ने समझौते की इस शर्त को पूरा नहीं किया तो क्या होगा? सबको पता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सबसे करीबी सहयोगियों में से एक दक्षिण कोरिया के साथ क्या किया? उन्होंने दक्षिण कोरिया से समझौता किया और एक दिन अचानक कहा कि वह समझौते की शर्तों को ठीक से लागू नहीं कर रहा है इसलिए उसके ऊपर 25 फीसदी टैरिफ लगाया जाता है। भारत के सामने भी यह खतरा रहेगा। ध्यान रहे अभी तक भारत और अमेरिका के बीच व्यापार में संतुलन भारत के पक्ष में था। अमेरिका से भारत अभी करीब चार लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदता है और उसे सात लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का सामान बेचता है। दुनिया के ज्यादातर देशों के साथ अमेरिका का व्यापार संतुलन ऐसा ही था। तभी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अब तक अमेरिका सभी देशों के साथ व्यापार में घाटा उठाता रहा है, अब वे इसे बदलेंगे। यानी अब अमेरिका मुनाफा कमाएगा। भारत के साथ व्यापार में भी ऐसा ही होगा। अब व्यापार संतुलन अमेरिका के पक्ष में होगा। अगर भारत चाहता है कि ऐसा न हो तो वह अमेरिका से नौ लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदेगा और उसे इससे ज्यादा का सामाना बेचना होगा। सोचें, अभी भारत सात लाख करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा का सामान बेचता है अब अचानक तीन या चार लाख करोड़ रुपए का कौन सा सामान बेचने लगेगा कि व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में झुके? यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि यूरोपीय संघ के साथ भी भारत ने मुक्त व्यापार संधि की है। ब्रिटेन और न्यूजीलैंड के साथ भी संधि हुई है। इन देशों को भी सामान बेचना है। इसे एक अवसर माना जा सकता है। लेकिन क्या अवसर का लाभ उठाने के लिए भारत तैयार है? सौदे में एक और दिलचस्प बात यह है कि वाणिज्य मंत्री ने उन वस्तुओं की सूची गिनाई, जिनका निर्यात भारत करेगा। उसमें सेब और एवाकाडो भी है। सोचें, भारत में अपने इस्तेमाल का एवाकाडो तंजानिया, पेरू, चिली, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से आता है तो भारत कहां से एवाकाडो अमेरिका को निर्यात करेगा। इसी तरह भारत में सेब की अपनी जरुरत अमेरिका से लेकर न्यूजीलैंड और चीन के सेब से पूरी होती है। बहरहाल, भारत को एक तरफ अनाज, फल आदि का उत्पादन बढ़ाना होगा, उन्हें पेस्टिसाइड से मुक्त करना होगा और अमेरिकी व यूरोपीय स्टैंडर्ड का करना होगा। उसके साथ ही अपना बुनियादी ढांचा भी मजबूत करना होगा। सरकार कह रही है कि उसने किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया है। लेकिन अभी समझौते का अंतिम मसौदा सामने आना बाकी है। सरकार ने सोयाबीन तेल पर से टैरिफ हटा दिया है।

अभिभावकीय चेतना से निखरेगा बचपन

अनुज आचार्य

अंतत:, बच्चों की रुचि को पहचानना और उसी दिशा में उन्हें प्रोत्साहित करना माता-पिता का सबसे बड़ा योगदान हो सकता है। किसी विषय में कमजोरी को लेकर अनावश्यक दबाव बनाने के बजाय, उसकी प्रतिभा को पहचानना और उसे संवारना ही सच्ची अभिभावकीय भूमिका है आज के तेज रफ्तार और प्रतिस्पर्धात्मक युग में बच्चों का भविष्य केवल उनकी पढ़ाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उनके संपूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण का प्रश्न बन गया है। इस पूरी निर्माण-प्रक्रिया में माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण, सबसे निर्णायक और सबसे संवेदनशील हो चुकी है। सच कहा जाए तो बच्चों का भविष्य किसी विद्यालय की इमारत में नहीं, बल्कि माता-पिता के व्यवहार, सोच और संस्कारों की गोद में आकार लेता है। मां-बाप बनना और बच्चे पैदा करना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, परंतु बच्चों के प्रति जिम्मेदारियों को निभाना एक बड़ा जीवन-दायित्व है। यह कोई एक दिन या एक चरण का कार्य नहीं, बल्कि आजीवन चलने वाली साधना है। बच्चे केवल हमारे नाम को आगे बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ईश्वर द्वारा सौंपी गई अमानत हैं, जिनकी सही परवरिश हमारा कर्तव्य भी है और परीक्षा भी। बच्चों की परवरिश का पहला आधार है, स्वस्थ घरेलू वातावरण। घर का माहौल शांत, प्रेमपूर्ण और सुरक्षित होगा तो बच्चे स्वत: ही मानसिक रूप से सुदृढ़ बनेंगे। बच्चों को मानसिक तनाव और पारिवारिक विवाद से बचाने हेतु घर में प्रेम, खुला संवाद और स्थिर वातावरण रखें। दिनचर्या संतुलित बनाएं, खेल-व्यायाम एवं अन्य रुचियों के परिमार्जन हेतु प्रोत्साहित करें, उनके सामने झगड़े से बचें, सुरक्षा का भरोसा दें। इसके साथ ही उचित खानपान और पौष्टिक आहार की व्यवस्था करना माता-पिता की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बच्चों को जंक फूड से दूर रखें। संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और पर्याप्त नींद बच्चों के समग्र विकास की नींव हैं। शारीरिक और मानसिक विकास के बाद आता है बौद्धिक विकास। इसके लिए केवल किताबें ही पर्याप्त नहीं होतीं, बल्कि घर में सकारात्मक चर्चा और स्वस्थ बहस का वातावरण भी उतना ही जरूरी है। जब बच्चे सवाल पूछते हैं, तर्क करते हैं या किसी विषय पर अपनी राय रखते हैं, तो उन्हें डांटने या चुप कराने के बजाय सुनना चाहिए। यही प्रक्रिया उनके सोचने-समझने की क्षमता को विकसित करती है और उन्हें जिज्ञासु, आत्मनिर्भर और रचनात्मक बनाती

है। जब बच्चों को यह एहसास होता है कि उनकी भावनाओं की कद्र हो रही है, तब उनमें आत्मविश्वास पनपता है और वे खुलकर अपने मन की बात साझा करने लगते हैं। आज एकल परिवारों की बढ़ती संख्या के कारण बच्चों के पास खेलने-कूदने और संवाद के लिए साथी कम होते जा रहे हैं। ऐसे में माता-पिता की भूमिका और भी बढ़ जाती है। बच्चों को अच्छे संस्कार, नैतिक मूल्य और मर्यादित जीवन की शिक्षा देना अनिवार्य हो गया है। उनकी संगति, आवागमन और गतिविधियों पर सतर्क नजर रखना जरूरी है, ताकि वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहें। मोबाइल फोन और इंटरनेट का बढ़ता दुरुपयोग भी आज एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हाल ही के कुछ घटनाक्रमों और गाजियाबाद में मोबाइल की लत से तनावग्रस्त तीन बहनों द्वारा की गई आत्महत्याओं के आलोक में हिमाचल सरकार द्वारा स्कूलों में 01 मार्च 2026 से मोबाइल लाने पर पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा जैसे कदम इस खतरे की ओर स्पष्ट संकेत देते हैं। बच्चों में दया, करुणा, सहयोग, सम्मान और राष्ट्रभक्ति जैसे गुणों का विकास केवल भाषणों से नहीं, बल्कि माता-पिता के आचरण से होता है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने घर में देखते हैं। यदि घर में बुजुर्गों का सम्मान होता है, संवाद की संस्कृति होती है और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता दिखाई जाती है, तो वही संस्कार बच्चों में स्वत: उतरते हैं। यदि बच्चा पढ़ाई या किसी विशेष विषय में अपेक्षित सफलता नहीं पा रहा है, तो घबराने या उसे दोष देने की बजाय धैर्य रखना चाहिए। हर बच्चा अलग होता है, उसकी क्षमता और गति भी अलग होती है। ऐसे समय में माता-पिता का साथ, प्रोत्साहन और विश्वास ही बच्चे का सबसे बड़ा सहारा बनता है। 'तुम कर सकते हो' का भाव, यानी 'कैन डू' की भावना, बच्चों के भीतर आत्मविश्वास का बीज बोती है। मां बाप को चाहिए कि वे अपने बच्चों को संघर्ष करना, समस्याओं का सामना करना सिखाएं। बड़े-बुजुर्गों का आदर करना भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह संस्कार यदि बचपन में बच्चों को मिल जाए, तो आगे चलकर यही उनके चरित्र की पहचान बनता है। साथ ही बच्चों के साथ समय बिताना, उनसे खुलकर बात करना, उन्हें धर्मस्थलों और सांस्कृतिक स्थलों से जोडऩा भी उनके नैतिक विकास में सहायक होता है। आज हर माता-पिता यह चाहते हैं कि उनके बच्चे ऊंचे पदों पर पहुंचें, सम्मानजनक जीवन जिएं और आर्थिक रूप से सशक्त बनें। इसके लिए माता-पिता को भी त्याग करना पड़ता है, अपने समय, अपने आराम और कई बार अपनी इच्छाओं का। बच्चों की स्कूल-प्रगति पर नजर रखना, शिक्षकों से संवाद बनाए रखना।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर, गुरुवार 26 फरवरी 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

श्रवणबेलगोला के भट्टारक स्वस्तिश्री चारुकीर्ति स्वामीजी ने व्यक्त किए गौरवपूर्ण उद्गार

णमोकार तीर्थ अब इंटरनेशनल तीर्थक्षेत्र: आचार्य श्री देवनंदीजी महाराज वास्तव में बने अंतरराष्ट्रीय संत

औरंगाबाद/णमोकार तीर्थ चांदवड। मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे पर राष्ट्रसंत आचार्य श्री देवनंदीजी महाराज द्वारा निर्मित %णमोकार तीर्थ% अब केवल राष्ट्रीय नहीं, बल्कि सही मायनों में एक अंतरराष्ट्रीय तीर्थक्षेत्र बन चुका है। इस भव्य और दिव्य निर्माण के कारण आचार्यश्री अब केवल राष्ट्रसंत ही नहीं, अपितु एक अंतरराष्ट्रीय संत के रूप में प्रतिष्ठित हुए हैं। ये उद्गार श्रवणबेलगोला स्थित भगवान बाहुबली मंदिर के भट्टारक स्वस्तिश्री चारुकीर्ति स्वामीजी ने व्यक्त किए।

भट्टारक स्वामीजी के णमोकार तीर्थ आगमन पर तीर्थ के ट्रस्टियों और भक्त परिवार द्वारा उनका अत्यंत उत्साह के साथ स्वागत किया गया।

शाही जुलूस- फूलों से सजे रथ में वाद्य-यंत्रों की गूँज के साथ उनकी भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

भक्ति का सैलाब- इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर स्वामीजी का आशीर्वाद लिया, जिससे संपूर्ण परिसर भक्ति के रंग में सराबोर हो गया।

तीर्थक्षेत्र के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वामीजी ने कहा कि यहाँ केवल महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली या मध्य प्रदेश से ही नहीं, बल्कि अमेरिका, दुबई और इंग्लैंड जैसे देशों से भी भक्त दर्शन के लिए पहुँच रहे हैं। हाल ही में संपन्न हुआ %अंतरराष्ट्रीय पंचकल्याणक महोत्सव% अपने आप में अद्वितीय और अविस्मरणीय रहा। उन्होंने कहा कि ऐसा अभिनव और महान कार्य केवल आचार्य श्री देवनंदीजी महाराज ही सिद्ध कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ

अभिषेक व पूजन- स्वामीजी के कर-कमलों द्वारा पंच परमेष्ठी भगवान का अभिषेक, गुरुपूजन और पदप्रक्षालन विधि संपन्न हुई।

धर्मसभा- इस मंगलमय अवसर पर आचार्य श्री देवनंदीजी महाराज, आचार्य श्री अमोघकीर्तीजी महाराज और आचार्य श्री अमरकीर्तीजी महाराज के ओजस्वी प्रवचन हुए, जिसका लाभ सैकड़ों भक्तों ने लिया।

विशेष आभार- कार्यक्रम का कुशल संचालन बालब्रह्मचारी वैशालीदीदी ने किया। इस महोत्सव को सफल बनाने के लिए णमोकार तीर्थ ट्रस्ट और समस्त भक्त परिवार ने कड़ा परिश्रम किया। ऐसी जानकारी प्रचार प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ने दी है नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

भारतीय जैन मिलन बहुमण्डल शाखा की मासिक बैठक संपन्न

तालबेहट (ललितपुर)। भारतीय जैन मिलन बहुमण्डल शाखा की मासिक बैठक संयुक्त मंत्री सौम्या सरल जैन के आवास पर आयोजित की गयी। जिसका शुभारम्भ भक्तामर पाठ से किया गया। इस मौक़े पर मुख्य संयोजक नीतू जैन ने कहा 15 फरवरी को ललितपुर में भारतीय जैन मिलन के क्षेत्रीय अधिवेशन में शाखा को द्वितीय स्थान प्राप्त होना गर्व की बात है। महामंत्री शिखा मोदी ने कहा कि इस वर्ष प्रथम पायदान पर पहुँचने के लिए सामाजिक कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अलका पवैया ने कहा कि सभी सदस्यों को अपनी जिम्मेदारी समझना होगी।

उपाध्यक्ष स्वाति भंडारी ने कहा तीर्थ क्षेत्र सेरौन जी एवं देवगढ़ जी में निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव सुधासागर महाराज के मंगलमय सानिध्य में पंचकल्याणक महामहोत्सव का कार्यक्रम है। जिसमें प्रतिभाग करने की रुपरेखा तय की गयी। संगठन मंत्री सोनम जैन ने शाखा का विस्तार करते हुए सदस्यों की संख्या बढ़ाने का विचार रखा। संरक्षक अंजू जैन सतभैया ने कहा 27 फरवरी को वासुपूज्य जिनालय में पंचकल्याणक महामहोत्सव की 8 वीं वर्षगांठ पर श्री जी की भव्य शोभायात्रा का कार्यक्रम है। जिसमें प्रात: 07-00 बजे अभिषेक, शांति धारा, हवन, पूजन एवं विधान दोपहर 01-00 बजे विमानोत्सव, रथ यात्रा, शोभायात्रा दोपहर 03-00 बजे कलशाभिषेक, फूलमाला सायं 07-30 बजे णमोकार महामंत्र पाठ एवं मंगल आरती का आयोजन होगा। संयोजक प्रिया जैन के नेतृत्व में दिमागी कसरत के खेलों का आयोजन किया गया। स्नेहिल भोज के साथ बैठक का समापन हुआ। बैठक में आकांक्षा जैन, प्रियंका जैन, सारिका जैन, राखी भंडारी, रोशनी जैन, निधि जैन, पिंकी जैन आदि मौजूद रहे।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर का निर्देश

अविवादित बटवारे में न हो देरी, ई-ऑफिस व बायोमैट्रिक अटेंडेंस सुनिश्चित करें

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज समय-सीमा की बैठक में राजस्व एवं विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि अविवादित बटवारा प्रकरणों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी न की जाए। उन्होंने सभी तहसीलों को खाता विभाजन के प्रकरणों में त्वरित एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि बी-1 का नियमित पाठन किया जाए तथा तहसीलवार लंबित सभी प्रकरणों की समीक्षा कर समय-सीमा में निराकरण किया जाए। उन्होंने सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने एवं बायोमैट्रिक अटेंडेंस को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी कार्यदिवसों की उपस्थिति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करने के लिए कहा।

बैठक में कलेक्टर ने आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए नगर निगम रायपुर, वीरगांव नगर निगम सहित सभी नगरीय निकायों में सोकपीठ गड्ढ़ों एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के निर्माण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत शासकीय कर्मचारियों से योजना का लाभ लेने की अपील भी की।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी आंगनबाड़ी केंद्र एवं स्वास्थ्य केंद्र निर्धारित समयावधि में अनिवार्य रूप से खुले रहें।

कोटा की बेटी सुश्री सौम्या जैन ने जैन समाज का किया नाम रोशन

■ सुर नूर उपाधि से विभूषित

जयपुर (राजस्थान)। सुश्री सौम्या जैन सुपुत्री अरविंद कुमार जैन श्रीमति रिंकु जैन आर के पुरम कोटा हाल मुकाम जयपुर ने दर्शक संस्था जयपुर द्वारा 19 फरवरी से 23 फरवरी तक आयोजित सुर नूर प्रतियोगिता में बांसुरी वादन कर प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक,दस हजार रुपए नकद, ओडियंस अवार्ड व सुर नूर उपाधि से विभूषित व गौरवान्वित होकर जैन समाज का नाम रोशन किया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार ने जानकारी देते हुवे बताया कि सुश्री सौम्या जैन जिनालयों में, मुनिराज, आर्यिका माताजी के पावन चरणकमलों में बांसुरी वादन द्वारा भक्ति के माध्यम से सबका पावन आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। सुश्री सौम्या जैन अपनी सफलता का श्रेय देवाधिदेव, गुरुजनों के आशीर्वाद व माता-पिता द्वारा प्रदत प्रोत्साहन के साथ स्वयं की लगन व मेहनत को मानती हैं। मैं सुश्री सौम्या जैन के उज्जवल भविष्य की मंगलमय कामना वीर प्रभु से करता हूं। देव शास्त्र गुरु के परम भक्त सागर चंद जैन धर्मनिष्ठ व्यवहार कुशल शकुंतला जैन दादा दादी के द्वारा दिए गए सद संस्कारो का फल मेरी नजर में कह सकता हूं ।

पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के प्रथम शिष्य मनोज्ञसागर जी महाराज की संलेखनापूर्वक समाधि

सम्मेद शिखरजी (झारखंड)। परम पूज्य पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी गुरुदेव के प्रथम शिष्य पूज्य मुनि श्री मनोज्ञसागर जी महाराज का संलेखनापूर्वक समाधि मरण दिनांक 24 फरवरी 2026 को रात्रि 10-05 मिनिट पर पूज्य आचार्य वैराग्यनंदी जी महाराज के सानिध्य में शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर जी की पावन धरा पर हुआ... !पूज्य मुनि श्री के श्री चरणों में कोटि - कोटि नमन.... । कल शाश्वत सिद्ध भूमि पर एक दैदीप्यमान सूर्य ने अपना मानव जीवन सफल कर लिया।

परम पूज्यनीय 108 आचार्य श्री वैराग्य नंदी जी गुरुदेव के निर्यापकत्व में और अनेक आचार्यों एवं अनेक साधुओं की उपस्थिति में सल्लेखना पूर्वक - अत्यंत शांत परिणामों के साथ समाधि मरण हो गया है। परम पूज्यनीय चर्या शिरोमणि दीक्षा प्रदाता आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज (ससंघ) का अंतिम क्षणों तक आशीर्वाद प्राप्त होता रहा। उल्लेखनीय है कि परम पूज्यनीय 108 आचार्य श्री वैराग्य नंदी जी महाराज (ससंघ 30 पिच्छी) द्वारा पूज्य मुनि श्री की अस्वस्थता के चलते गत 2 वर्षों से , अत्यंत वात्सल्यता , समर्पण और आत्मीयता से परिपूर्ण की गयी वैयावृत्ति के परिणाम स्वरूप उनकी 20 वर्षों की तपश्चर्या-मानव जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता को प्राप्त हुई है।

गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी का अयोध्या में धार्मिक प्रवचन

अयोध्या (उ.प्र.)। गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने अयोध्या में अपने प्रवचन में कहा की भगवान ऋषभदेव सिंहासन पर सुख से बैठे हुए थे कि उन्होंने अपना चित्त कला और विद्याओं के उपदेश में लगाया। उसी समय उनकी ब्राह्मी और सुन्दरी दोनों पुत्रियाँ मांगलिक वेषभूषा धारण कर पिता के पास पहुँची और विनय से भगवान को प्रणाम किया। भगवान ने भी उन दोनों कन्याओं को आशीर्वाद देकर बड़े प्रेम से उन्हें अपनी गोद में बिठा लिया, उनके मस्तक पर हाथ फेरा और पुत्रियों के साथ कुछ विनोद करने लगे, अनन्तर बोले-हे पुत्रियों! तुम दोनों विद्या ग्रहण करने में प्रयत्न करो क्योंकि विद्या ग्रहण करने का यही काल है। ऐसा कहकर बराबर उन्हें आशीर्वाद देकर भगवान ने अपने चित्त में स्थित श्रुतदेवता को आदरपूर्वक सुवर्ण के विस्तृत पट्टे पर स्थापित किया, फिर भगवान ने सिद्धं नम: मंगलाचरणपूर्वक अपने दाहिने हाथ से अ आ आदि वर्णमाला लिखकर ब्राह्मी को शुद्ध अक्षरावली लिखने का उपदेश दिया, जिसका नाम सिद्धमातृका है, जो स्वर-व्यंजन के भेद से दो भेदरूप है और समस्त विद्याओं में पाई जाती है तथा भगवान ने अपने बायें हाथ से इकाई दहाई आदि संख्या को लिखते हुए सुन्दरी को अंकगणित लिखने का उपदेश दिया।

वाङ्मय के बिना न कोई शास्त्र है और न कोई कला है, इसलिए भगवान ने सबसे पहले उन पुत्रियों को वाङ्मय का उपदेश दिया था।

चार्ज अधिकारियों को दी गई जनगणना के लिए आवश्यक आधारभूत प्रशिक्षण

■ पूरी तरह डिजिटल फॉर्म में एवं दो चरणों में संपन्न होगा जनगणना कार्य

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। 16 वीं जनगणना 2027 कार्यक्रम अंतर्गत जिले में जनगणना कार्य सुचारु ढंग से सम्पन्न कराने हेतु बुधवार को संयुक्त जिला कार्यालय के प्रगति कक्ष में चार्ज अधिकारियो को प्रशिक्षण दिया गया। जनगणना कार्य दो चरणों में समन्न होगा जो पूरी तरह से डिजिटल होगा।

प्कार्यक्रम में कलेक्टर दीपक सोनी ने कहा कि प्रशिक्षण को बहुत ही गंभीरतापूर्वक लें ताकि निर्धारित समय पर कार्य सम्पन्न हो सके। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य पूरे देश में एक साथ होगा जिससे तय समय पर ही कार्य पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि जनगणना के लिये लोगों के बीच जाने पर उन्हें स्पष्ट जानकारी दें कि यह सर्वे केवल डाटा संकलन के लिये है और इससे किसी योजना के पात्रता या अपात्रता का कोई सबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय प्रशिक्षण के पश्चात् ब्लॉक लेवल पर अधीनस्थ कर्मचारियों का कई चरणों में प्रशिक्षण होगा। जनगणना कार्य हेतु प्राथमिक शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

जनगणना कार्यालय की सहायक निदेशक रश्मिता स्वाई ने बताया कि 16 वीं जनगणना 2027 दो चरणों में होगी जिसमें प्रथम चरण मई 2026 में शुरू होगा। प्रथम चरण में मकानों की लिस्टिंग का कार्य होगा। द्वितीय चरण फ़रवरी 2027 से शुरू होगा जिसमें विस्तृत रूप से जानकारी डिजिटल फॉर्म में भरे जायेंगे। प्रथम चरण के पूर्व 16 अप्रैल 2026 से स्व गणना पोर्टल के माध्यम से होगा।

निगम क्षेत्र स्थित निजी स्कूलों के संचालक महापौर से मिले, संपत्तिकर में छूट देने का किया अनुरोध

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत निजी स्कूलो के संचालकगण नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे से मिले एवं संपत्तिकर में छुट देने का उनसे अनुरोध किया। महापौर को अधिकारियों ने जानकारी दी कि अधिनियम अंतर्गत नियम 12 ए में पंजीकृत निजी स्कूलो को संपत्तिकर में नियमानुसार छुट देने का प्रावधान है, अन्य करों में छुट देने का प्रावधान नहीं है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने उपायुक्त श्रीमती जागृति साहू एवं आईटी विशेषज्ञ श्री रंजीत रंजन सहित सभी जोनों के सहायक राजस्व अधिकारियों को अधिनियम अंतर्गत नियमानुसार प्रक्रिया के तहत नगर निगम क्षेत्र की निजी स्कूलो के संचालको से संपर्क कर सम्मान के साथ उनसे स्वविवरणी फार्म भरवाकर उसके आधार पर नियमानुसार प्रक्रिया के तहत करो की वसूली करने कार्यवाही करने के निर्देश दिये। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम रायपुर राजस्व विभाग के अधिकारियों को कर वसूली की कार्यवाही के दौरान किसी भी हालत में नियम विपरीत कार्यवाही कदापि नहीं करने की कडी हिदायत दी है। अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार अधिनियम के तहत जवाबदेही तय कर कडी अनुशासनात्मक कार्यवाही करने की चेतावनी महापौर ने राजस्व विभाग अधिकारियों को दी है। महापौर ने कहा कि उनके द्वारा कर वसूली करने के नाम पर किसी भी प्रकार की नियम विपरीत कार्यवाही किया जाना कदापि सहन नहीं किया जायेगा। सभी अधिकारी राजस्व विभाग को कर वसूली हेतु अधिनियम अंतर्गत नियम अनुसार कार्यवाही करना प्राथमिकता से सुनिश्चित करें।

छग का बजट भाजपा सरकार द्वारा अन्त्योदय के संकल्प से सिद्धि की यात्रा को नई गति देगा : भावना

■ छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की विकास यात्रा को एक नई दिशा एवं गति देने वाला बजट : भावना बोहरा*

कवर्धा (विश्व परिवार)। आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव से जी के मार्गदर्शन में वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी जी ने डबल इंजन भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल का बजट रखा। इस वर्ष बजट का मूल उद्देश्य संकल्प (स्ह्यृरूक्क) यानी स् -समावेशी विकास,ृ-अधोसंरचना, ह-निवेश, च-कुशल मानव संसाधन,ृ-अंत्योदय, रू-लाइवलीहुड और क्क-पॉलिसी से परिणाम तक रहा। अपने उद्देश्य के अनुरूप इस बजट में महिला, युवा, किसान, मध्यमवर्ग के हितों के साथ ही प्रदेश की आर्थिक प्रगति, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि जैसे क्षेत्रों के भी विकास की झलक देखने को मिली। खासकर बस्तर एवं सरगुजा और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों निवासरत परिवारों और वहां पर्यटन के विस्तार से लेकर स्थानीय निवासियों के सशक्तिकरण के लिए भी बजट में विशेष प्रावधान किये गए।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास और जनता की आकाँक्षाओं को पूरा करने के साथ ही विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को गति देने हेतु विधानसभा में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में माननीय वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी जी द्वारा प्रस्तुत बजट के लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी एवं माननीय वित्त मंत्री जी का आभार व्यक्त करती हूँ। यह बजट प्रदेश के सर्वांगीण विकास, जनकल्याण और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने वाला दूरदर्शी एवं जनहितैषी बजट है। यह बजट प्रदेश की 3 करोड़ जनता की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब है। इस बजट में किसानों, युवाओं, महिलाओं, श्रमिकों, गरीब एवं मध्यम वर्ग के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए विशेष प्रावधान कर अन्नदाता को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य किया गया है। साथ ही अधोसंरचना, सड़कों, सिंचाई, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक निवेश कर विकास की गति को और तेज करने का संकल्प लिया गया है।

युवा शक्ति को रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने, उद्योगों को प्रोत्साहन देने तथा स्टार्टअप एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए भी अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का विस्तार किया गया है। यह बजट सामाजिक न्याय, सुशासन और पारदर्शिता के सिद्धांतों पर आधारित है। प्रदेश के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों तक विकास की रोशनी पहुँचाने का स्पष्ट विज़न इस बजट में दिखाई देता है। माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट समृद्ध किसान, सशक्त युवा, सुरक्षित महिला और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि बजट में पंडरिया विधानसभा को अनेक सौगातें मिली है। कुण्डा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (क्क।॥ष्ट) का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (ष्ट।॥ष्ट) में उन्नयन एवं विस्तारीकरण कार्य, पंडरिया नगर में नालंदा लाइब्रेरी परिसर, 4 करोड़ 65 लाख रु की लागत से शासकीय महाविद्यालय कुण्डा हेतू नवीन भवन एवं 4 करोड़ की लागत से शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई कुकदुर हेतू भवन निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है। इसके साथ ही ठाठापुर से खम्हरिया एवं मैनपुरा से पंडरिया 2 किलोमीटर नवीन सड़क निर्माण सहित 100 किलोमीटर से अधिक के सड़क निर्माण की सौगात मिली है। जनता की बहुप्रतीक्षित सुतियापाट जलाशय के सतही स्त्रोत का विस्तार भी रणवीरपुर, ठाठापुर, दशरंगपुर, इन्दौरी समूह पेयजल योजना के तहत किया जाएगा जिससे पंडरिया विधानसभा के 54 गाँव के निवासियों को पर्याप्त पेयजल एवं किसानों को सिंचाई हेतु जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। स्वास्थ्य के क्षेत्र में शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान भारत के लिए ?1,500 करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत ?2,000 करोड़, 25 डायलिसिस केंद्र एवं 50 जन औषधि केंद्र, रायपुर में राज्य का पहला होम्योपैथी कॉलेज, बिलासपुर में स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट और राजनांदगांव में फिजियोथेरेपी कॉलेज की स्थापना की जाएगी। जनजातीय क्षेत्रों के विकास हेतु पीएम जनमन योजना के लिए 720 करोड़, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान हेतु 200 करोड़, 25 एसटी प्री मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों हेतु 75 करोड़, तेंदूपत्ता संग्राहकों हेतु चरण पादुका योजना के लिए 60 करोड तथा जनजातीय संस्कृति के संरक्षण हेतु जनजातीय सुर-गुडी स्टूडियो की शुरुआत करने का सराहनीय प्रावधान बजट में किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

प्रोजेक्ट्स टुडे ने भारत के परियोजना इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए एआई-संचालित व्यावसायिक अवसर प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया

नईदिल्ली। प्रोजेक्ट्स टुडे ने भारत के परियोजना इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए एआई-संचालित व्यावसायिक अवसर प्लेटफॉर्म का अनावरण किया। यह नया प्लेटफॉर्म परियोजना जीवनचक्र संदर्भ, निविदाएं और एल1/आदेश अपडेट, तथा हितधारकों की जानकारी को एक सुविधाजनक कार्यप्रणाली में एकीकृत करता है जिससे संगठनों को सही समय पर सही परियोजनाओं से जुड़ने में मदद मिलती है।

उन्नत प्लेटफॉर्म व्यावहारिक परिणामों पर केंद्रित एआई-सक्षम विकास प्रस्तुत करता है, जिसमें बीओक्यू खोज, उप-परियोजना ट्रैकिंग, निविदा से आदेश तक की यात्रा की विजिबिलिटी, बोलीदाता और भागीदारी अंतर्दृष्टि, अवसर अनुमान उपकरण, विश्वसनीयता और विश्लेषण डैशबोर्ड तथा हितधारकों के साथ बेहतर संबंध मानचित्रण शामिल हैं। ये क्षमताएं यूजर्स की आवश्यकताओं के आधार पर प्रासंगिक अवसरों की तेजी से खोज को सक्षम बनाती हैं। संगठनों को चरण, दायरे और हितधारकों के बारे में स्पष्ट संदर्भ के साथ क्या हो रहा है से हमें आगे क्या करना चाहिए की ओर बढ़ने में मदद करती हैं।

25 से अधिक वर्षों के रिसर्च-आधारित कवरेज के साथ प्रोजेक्ट्स टुडे 50,000 से अधिक सक्रिय परियोजनाओं पर नजर रखता है जो वर्तमान में गंभीर विचार-विमर्श, योजना, निविदा प्रक्रिया या कार्यान्वयन के चरण में हैं। यह प्लेटफॉर्म हर महीने 1,500 से अधिक नई परियोजनाओं और 10,000 से अधिक निविदाओं के साथ 1,200 से अधिक मासिक एल1/आदेश अपडेट को कैप्चर करता है जो विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों में निर्णय लेने में सहायक होता है।

इसका उद्देश्य केवल सूचना तक पहुंच से कहीं अधिक व्यापक है। इसका मूल उद्देश्य राष्ट्र निर्माण करने वालों और इसे सक्षम बनाने वालों प्रमोटरों, ठेकेदारों, सलाहकारों, आपूर्तिकर्ताओं, सेवा प्रदाताओं और वित्तदाताओं के बीच अवसरों का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित करना है। प्रोजेक्ट्स टुडे नई तकनीक और गहन जानकारी के साथ विकसित होता रहेगा, साथ ही एक सिद्धांत पर अडिग रहेगा: ग्राहक सर्वोपरि। राष्ट्र सर्वोपरि। यह शुभारंभ प्रोजेक्ट्स टुडे के उस दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण कदम है जिसके तहत बेहतर समयबद्ध जुड़ाव, बेहतर समन्वय और तीव्र कार्यान्वयन के माध्यम से भारत की परियोजना अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाएगा ताकि अवसर योजनाओं से साझेदारी तक और इरादों से परिणामों तक कुशलतापूर्वक प्रवाहित हों।

सूरज की मुस्कान: संघर्ष से स्नेहिल परिवार तक की अनोखी यात्रा

कोरबा। यह कहानी बालक सूरज (परिवर्तित नाम) के संघर्ष, धैर्य और विभाग के सतत प्रयासों की है, जिसने एक अकेले बच्चे को समाज की मुख्यधारा और एक सुरक्षित परिवार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रारंभिक संघर्ष और संरक्षण- सूरज का जीवन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से होकर गुज़रा। मात्र चार वर्ष की आयु में पारिवारिक स्थितियों के कारण उसे त्याग दिया गया था। पुलिस द्वारा प्रस्तुत किए जाने के बाद बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार उसे मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत सेवा भारती मातृछाया (विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण) में संरक्षण प्रदान किया गया।

शौचालय निर्माण में बड़ा घोटाला?

1.23 करोड़ की लागत, 60 लाख अग्रिम भुगतानः 90 दिन की शर्त, 10% भी काम नहीं!

कार्यालय नगर पालिका परिषद गरियाबंद जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
//सूचना//
आदेशानुसार मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद गरियाबंद।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गरियाबंद
जिला - गरियाबंद (छ.ग.)
प्रतिलिपि -
1. कलेक्टर महोदय जिला-गरियाबंद (छ.ग.) की ओर सादर सूचनार्थ।

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले में स्कूलों के लिए स्वीकृत 116 शौचालयों का निर्माण कार्य सवालों के घेरे में है। 1 करोड़ 23 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इन शौचालयों के लिए 60 लाख रुपये से अधिक की अग्रिम राशि जारी कर 90 दिनों में काम पूरा करने की शर्त रखी गई थी, लेकिन अब तक 10 प्रतिशत काम भी पूरा नहीं हुआ है। कई जगह काम अधूरा है तो कई स्थानों पर निर्माण शुरू ही नहीं हुआ।

विभागों के बीच जिम्मेदारी का खेल

स्कूल शिक्षा विभाग ने फरवरी 2025 में जिले के 5 ब्लॉकों के 116 शौचालयों को वित्तीय मंजूरी दी थी। प्रत्येक शौचालय की लागत 1 लाख 3 हजार रुपये तय की गई थी। बाद में कलेक्टर की स्वीकृति से यह कार्य आदिवासी विकास विभाग को सौंप दिया गया।

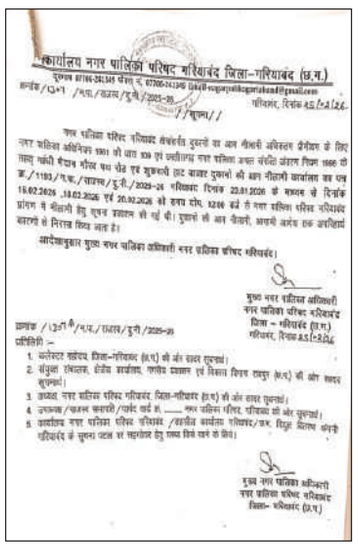

बड़ा सवाल यह है कि जिस आदिवासी विकास विभाग के पास पिछले दो वर्षों से स्कूल जतन के करोड़ों के भवन निर्माण कार्य अधूरे पड़े हैं, उसी विभाग को यह अतिरिक्त जिम्मेदारी क्यों दी गई? शौचालय जैसे छोटे निर्माण कार्य पंचायतों को भी दिए जा सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

गुपचुप अनुबंध, एक ही फर्म को पूरा ठेका- जुलाई माह में दुर्ग की कंचन कंस्ट्रक्शन फर्म से चुपचाप अनुबंध कर 61 लाख रुपये की अग्रिम राशि जारी कर दी गई। पूरे जिले में फैले 116 कार्य

एक ही बाहरी फर्म को सौंपे जाने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारों का कहना है कि इतने बड़े और बिखरे कार्य को 90 दिन में पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन और बड़ी टीम की जरूरत थी। बाहरी फर्म के लिए यह संभव नहीं था, फिर भी बिना दूरदर्शिता के कार्यादेश जारी कर दिया गया। अब चर्चा है कि यह निर्णय जानबूझकर लिया गया या किसी लाभकारी समझौते का हिस्सा था।

सरपंचों की उपेक्षा का आरोप- नियमों के अनुसार 20 लाख रुपये तक के निर्माण कार्य पंचायतों को दिए जा सकते हैं। बावजूद इसके नए सत्र में सरपंचों को काम नहीं के बराबर मिला है।

सरपंच संघ के अध्यक्ष पन्नालाल ध्रुव ने कहा कि अपने गांव के बच्चों के लिए स्थानीय सरपंच बेहतर निर्माण करा सकते थे। प्रशासन लगातार पंचायत प्रतिनिधियों की उपेक्षा कर रहा है। 28 नवम्बर को जिले भर के सरपंचों ने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन भी किया था, जिसमें 20 लाख तक के निर्माण कार्य पंचायतों को देने की मांग प्रमुख थी।

60 से अधिक शौचालयों का काम शुरू ही नहीं

सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार 116 शौचालयों में से- मैनपुर - 28, गरियाबंद- 26, फिंगेश्वर - 8, छूरा - 33, देवभोग - 20 देवभोग के 20 में से एक भी शौचालय का निर्माण शुरू नहीं हुआ है। कुल मिलाकर 60 से अधिक शौचालयों का काम प्रारंभ ही नहीं किया गया है।

सूत्रों का कहना है कि जिले में फैले इस कार्य को अलग-अलग फर्मों को देने के बजाय दुर्ग की एक ही फर्म को सौंपा गया। संसाधनों की कमी और कथित प्रशासनिक संरक्षण के कारण ठेकेदार अपनी मनमानी कर रहा है।

बड़ा सवाल

60 लाख अग्रिम भुगतान के बाद भी काम क्यों नहीं?
पहले से अधूरे कार्यों के बावजूद आदिवासी विकास विभाग को जिम्मेदारी क्यों?
स्थानीय पंचायतों को दरकिनार क्यों किया गया?
क्या यह प्रशासनिक लापरवाही है या सुनियोजित आर्थिक खेल?

जिले में बच्चों की मूलभूत सुविधा से जुड़ा यह मामला अब जनचर्चा का विषय बन चुका है। यदि समय रहते जांच और कार्रवाई नहीं हुई तो यह मुद्दा बड़े प्रशासनिक विवाद का रूप ले सकता है।

व्यावसायिक परिसर निर्माण और दुकानों की नीलामी रद्द

जनआक्रोश के आगे झुका प्रशासन, गांधी मैदान बचाने की मांग को मिली जीत

गरियाबंद (विश्व परिवार)। शहर में प्रस्तावित व्यावसायिक परिसर निर्माण और दुकानों की आम नीलामी आखिरकार बढ़ते जनविरोध के आगे निरस्त कर दी गई। नगर पालिका परिषद द्वारा गांधी मैदान, गौरव पथ रोड और शुकवारी हाट बाजार क्षेत्र की दुकानों की 16, 18 और 20 फरवरी 2026 को नीलामी की घोषणा की गई थी, लेकिन लगातार उठते सवालों और विरोध के बाद प्रशासन को फैसला वापस लेना पड़ा।

नीलामी प्रक्रिया छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 109 और छत्तीसगढ़ नगर पालिका अचल संपत्ति अंतरण नियम 1996 के तहत प्रस्तावित थी। हालांकि नागरिकों और आवेदकों ने आरोप लगाया कि आवश्यक राजस्व स्वीकृति और रेरा अनुमति के बिना ही निर्माण और नीलामी की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही थी।

स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रस्तावित परिसर के लिए पर्याप्त पार्किंग, सार्वजनिक शौचालय और आमजन सुविधाओं की ठोस व्यवस्था नहीं की गई थी। योजना के क्रियान्वयन से पहले मूलभूत ढांचे पर स्पष्टता नहीं होने से लोगों में असंतोष बढ़ता गया।

सबसे गंभीर आपत्ति गांधी मैदान की भूमि प्रभावित होने की आशंका को लेकर सामने आई। नागरिकों का दावा है कि निर्माण कार्य से मैदान की 5 से 10 फीट भूमि प्रभावित हो सकती थी। इसे शहर की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान पर सीधा आघात बताया गया।

नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता, आरक्षण व्यवस्था और खुले बोली तंत्र को लेकर भी कई प्रश्न खड़े किए गए। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि प्रक्रिया में स्पष्टता और सार्वजनिक भागीदारी का अभाव है।

लगातार विरोध, खबरों और शिकायतों के बाद प्रशासन ने अंततः परियोजना और नीलामी प्रक्रिया को निरस्त करने का आदेश जारी कर दिया। इस फैसले के बाद शहर में संतोष का माहौल है।

नागरिकों ने निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि गरियाबंद के हित और गांधी मैदान के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए गौरव पथ मार्ग में प्रस्तावित व्यावसायिक परिसर निर्माण को रद्द करना एक सराहनीय कदम है।

शहरवासियों का मानना है कि विकास योजनाएं जरूरी हैं, लेकिन जनभावनाओं, पारदर्शिता और सार्वजनिक हित को दरकिनार कर नहीं। गांधी मैदान की रक्षा को लेकर उठी आवाज ने यह साबित कर दिया कि संगठित जनशक्ति किसी भी फैसले को बदलने की ताकत रखती है।

गरियाबंद में तम्बाकू पर सख्ती की तैयारी

कोटपा एक्ट 2003 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पुलिस अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

गरियाबंद (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में तम्बाकू उत्पादों के उपयोग को कम करने, रोकथाम को प्रभावी बनाने तथा कोटपा एक्ट 2003 के कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 24 फरवरी 2026 को होटल सिटी रेजेंसी में जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार आयोजित हुआ, जिसमें जिले के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर के रूप में डॉ. लक्ष्मीकांत जांगड़े (डीएचओ सह डीएनओ), डॉ. दीनीला साहू (दंत चिकित्सक), पोखराज साहू (सोशल वर्कर, एनटीसीपी) तथा उमेश सोनी (सोशल वर्कर, एनएमएचपी) सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने तम्बाकू सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला और कानून के प्रभावी क्रियान्वयन में पुलिस विभाग की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

प्रशिक्षण के दौरान कोटपा एक्ट 2003 की धारा 4 (सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध), धारा 5 (तम्बाकू उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबंध) तथा धारा 6 (अ) और (ब) (नाबालिगों को बिक्री पर प्रतिबंध एवं शैक्षणिक संस्थानों के आसपास बिक्री निषेध) के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों को मौके पर कार्रवाई, चालानी प्रक्रिया, दंड प्रावधान तथा जन-जागरूकता बढ़ाने के उपायों की भी जानकारी दी गई।

शासन की योजना से दूर हुई आर्थिक तंगी और बेटी के भविष्य की चिंता

चिरायु दल ने लौटाई मासूम रंजना की मुस्कान

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बकावण्ड ब्लॉक के ग्राम जामगुड़ा (धनपुर) में रहने वाले महेश भारती के घर जब बेटी रंजना का जन्म हुआ, तो खुशियों के साथ-साथ एक गहरी चिंता ने भी दस्तक दी। मासूम रंजना जन्मजात 'कलेफ्ट लिप' (कटे होंठ) की समस्या से ग्रसित थी। जैसे-जैसे रंजना बड़ी हो रही थी, माता-पिता के मन में अपनी बेटी के भविष्य, उसकी पढ़ाई और समाज में उसे मिलने वाली स्वीकार्यता को लेकर डर गहराता जा रहा था। सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक तंगी थी। एक साधारण परिवार के लिए निजी अस्पतालों में ऑपरेशन का भारी-

ऑपरेशन के पूर्व
ऑपरेशन के बाद

भरकम खर्च उठा पाना असंभव सा था, जिससे माता-पिता स्वयं को असहाय महसूस कर रहे थे।

उनकी इस मायूसी के बीच उम्मीद की पहली किरण 19 जून 2025 को तब जगी, जब चिरायु दल बकावण्ड की टीम आँगनबाड़ी केंद्र पहुँची। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान टीम ने रंजना की स्थिति को पहचाना और माता-पिता को ढांढस बंधाते हुए उसे जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र रेफर किया। इसके बाद की राह जिला स्वास्थ्य समिति के सहयोग से आसान होती गई। 06 नवंबर 2025 को बच्ची को रायपुर के मेडिसाईन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ विशेषज्ञों ने रंजना का सफल ऑपरेशन किया।

सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि जाँच, ऑपरेशन और अस्पताल में रहने का समस्त खर्च शासन द्वारा वहन किया गया, जिससे महेश भारती का परिवार आर्थिक बोझ से मुक्त रहा। 13 फरवरी को जब स्वास्थ्य विभाग की टीम फॉलो-अप के लिए पहुँची, तो रंजना को पूरी तरह स्वस्थ पाया गया। बेटी के चेहरे की बनावट में आए इस सुखद बदलाव और उसकी खिलखिलाती मुस्कान ने माता-पिता के सालों पुराने डर को खत्म कर दिया है। शासन की इस कल्याणकारी योजना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए परिजनों ने बताया कि अब वे अपनी बेटी के सुनहरे और सामान्य भविष्य को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं।

बजट की घोषणाएं बस्तर के लोगों के लिए छलावा : जैन

घोषणापत्र के सभी प्रावधानों को लागू करे राज्य सरकार

जगदलपुर (विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव व विधायक रेखचंद जैन ने कहा है कि बजट की घोषणाएँ बस्तर के लोगों के लिए छलावा साबित हो रही हैं. बस्तर के संदर्भ में की जाने वाली घोषणाएं सालों बाद भी धरातल में नहीं उतर पाती हैं. राज्य की भाजपा सरकार को चाहिए कि वह घोषणापत्र के सभी प्रावधानों को तत्काल प्रभाव से लागू करे. श्री जैन ने कहा है कि वर्ष 2026-27 का राज्य बजट भी अलाभकारी, असंतुष्टीदायक साबित हुआ है. इसमें बस्तर के गांव, गरीब, किसान, महिलाओं, युवाओं, कर्मचारियों समेत समाज के किसी भी वर्ग के लिए कोई खास पहल नहीं की गई है. सरकार बनाने के पहले भाजपा ने जो वायदा किया था उसे पूरा करने की बजाय केवल जबानी रकम खर्च करने की कवायद की गई है.

ज्ञान व गति की दुर्गति के बाद संकल्प का नया जुमला वित्त मंत्री ने परोसा है, जिसे जनता जान गई है. कर्मचारियों के लिए स्पष्ट घोषणा का अभाव बस्तर जैसे क्षेत्र में सेवा देने वाले कर्मचारियों को खल रही हैं. एक ओर जहां बस्तर में हजारों स्कूल बंद किए गए हैं वहीं अबूझमाड़ व जगरगुण्डा में एजुकेशन सिटी स्थापित करने का झुनझुना थमाया गया है. बस्तर के लिए की गई भाजपा की घोषणापत्र की बातें जुमला साबित हो रही हैं. बात चाहे कोंडागांव के मक्का प्रोसेस प्लांट की हो या बीते सालों में गीदम में मेडिकल कॉलेज स्थापना की. जिस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के द्वारा लोगों के मुफ्त इलाज का ढिंढोरा पीटा जा रहा था उसकी सच्चाई अब सबके सामने आ चुकी है. जैन ने कहा है कि राज्य के बजट में मनरेगा मजदूरों के लिए कोई प्रावधान न होना उनके साथ अन्याय है. यह बस्तर संभाग के लाखों परिवारों के साथ भाजपा की धोखाधड़ी भी है.कृषक उन्नति योजना में जो बातें कही गई थीं उनका पालन भी नहीं किया गया है. एक लाख रिक्त शासकीय पदों पर भर्ती का दावा स्थानीय बेरोजगारों के साथ किए गए छल के रूप में देखा जा रहा है.

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
भारत रत्न. स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
सम्बद्ध चिकित्सालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

1436 23102126

।। द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना ।।

भारत रत्न. स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव मे में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट 960 एल.पी.एम. (प्लांट नंबर-1) के सी.एम.सी. (एक वर्ष) हेतु वर्ष 2025-26 में खुली निविदा आंमत्रित किया जाना है। मुहरबंद निविदायें पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड कोरियर के माध्यम से उल्लेखित तिथि अनुसार आमंत्रित किया जाता है, जिसका नियम / शर्तो का अवलोकन कार्यालयीन दिवस पर प्रातः 10.00 बजे से शाम 05:30 बजे तक भारत रत्न. स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव (छ.ग.) के मुख्य भण्डार कक्ष से किया जा सकता है।

01. निविदा प्रपत्र मुल्य	: रू. 1000/- (वापसी अयोग्य)।
02. निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारंभिक तिथि	: 26/02/2026 सुबह 10.00 बजे से।
03. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि	: 12/03/2026 अपरान्ह 02.00 बजे तक।
04. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि	: 12/03/2026 अपरान्ह 03:00 बजे तक।
05. निविदा खोले जाने की तिथि	: 12/03/2026 सायं 04:00 बजे।

भारत रत्न. स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव के कक्ष कमांक. 26 में।

संयुक्त संचालक एंव अधीक्षक
भारत रत्न. स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध
चिकित्सालय राजनांदगांव (छ.ग.)

जी- 252606877/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग, नारायणपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 185889/ निविदा सूचना क्र. 12/ वलेलि/2025-26, दिनांक 20.02.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 09.03.2026 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम : नारायणपुर जिले के विकासखण्ड नारायणपुर में कातुलबेड़ा स्टापडेम सह रपटा का निर्माण कार्य (भाग-2)

अनुमानित लागत : रुपये 35.47 लाख

(छ.ग.) शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा निर्माण एवं संधारण कार्यो हेतु दर अनुसूची 01.11.2021 से प्रभावशील एवं 02/2024 तक संशोधित के आधार पर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साईट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 27.02.2026 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग
नारायणपुर

जी- 252606844/2

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, गुरुवार 26 फरवरी 2026

पुरी और पुणे के मध्य एक फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने तथा उन्हे सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुरी और पुणे के मध्य एक फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, एवं गोंदिया स्टेशनों पर दिया गया है।

गाड़ी संख्या 08405 पुरी-पुणे स्पेशल ट्रेन 27 फरवरी (शुक्रवार) 2026 को पुरी से 06.00 बजे रवाना होगी तथा खुर्दा रोड आगमन 06.45 बजे, प्रस्थान 06.50 बजे, भुवनेश्वर आगमन 07.15 बजे, प्रस्थान 07.20 बजे, कटक आगमन 07.50 बजे, प्रस्थान 07.55 बजे, ढेंकानाल आगमन 08.45 बजे, प्रस्थान 08.47 बजे, तालचेर रोड आगमन 09.30 बजे, प्रस्थान 09.32 बजे, अनुगुल आगमन 09.55 बजे, प्रस्थान 09.57 बजे, संबलपुर सिटी आगमन 12.20 बजे, प्रस्थान 12.25 बजे, झारसुगुड़ा रोड आगमन 13.30 बजे, प्रस्थान 13.35 बजे, रायगढ़ आगमन 15.13 बजे, प्रस्थान 15.15 बजे, बिलासपुर आगमन 18.15 बजे, प्रस्थान 18.25 बजे, रायपुर आगमन 20.05 बजे, प्रस्थान 20.10 बजे, दुर्ग आगमन 21.05 बजे, प्रस्थान 21.10 बजे, गोंदिया आगमन 23.04 बजे, प्रस्थान 23.06 बजे तथा दूसरे दिन नागपुर आगमन 01.10 बजे, प्रस्थान 01.15 बजे, वर्धा आगमन 02.10 बजे, प्रस्थान 02.12 बजे, बडनेरा आगमन 03.15 बजे।

स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग प्रतिबद्ध - अरुण साव

- उपमुख्यमंत्री ने केमिस्ट के पद पर चयनितों को सौंपे नियुक्ति पत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में केमिस्ट के पद पर चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने आज नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर स्थित अपने कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 10 चयनितों को नियुक्ति पत्र सौंपा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक और प्रमुख अभियंता ओंकेश चंद्रवंशी भी इस दौरान मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव ने नव नियुक्त केमिस्टों को संबोधित करते हुए कहा कि केमिस्टों की संख्या बढने से विभागीय जल परीक्षण प्रयोगशालाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा मैदानी स्तर पर जल की गुणवत्ता की जांच में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता और प्रतिबद्धता है। इन नियुक्तियों से विभाग में तकनीकी रूप से दक्ष मानव संसाधन की संख्या बढ़ी है। श्री साव ने कहा कि पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया से प्रदेश के युवाओं में विश्वास और उत्साह बढ़ा है। युवाओं को उनकी मेहनत और प्रतिभा का उचित प्रतिफल मिल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त सभी केमिस्ट पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और सेवा-भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा विभागीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि जल गुणवत्ता की निगरानी में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रयोगशालाओं की कार्यप्रणाली को आधुनिक एवं परिणाममुखी बनाया जाएगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता ओंकेश चंद्रवंशी ने बताया कि विभाग द्वारा स्वीकृत केमिस्ट के 12 पदों पर व्यापम के माध्यम से चयन प्रक्रिया संपन्न की गई थी। दस्तावेज परीक्षण में 11 अभ्यर्थी पात्र पाए गए, जबकि एक अभ्यर्थी अनुपस्थित रहा।

नए विधानसभा भवन में बजट 2026 के ऐतिहासिक सत्र के साक्षी बने मैट्स विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

रायपुर (विश्व परिवार)। मैट्स विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ विधान सभा का शैक्षणिक भ्रमण करने तथा माननीय वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट 2026 को प्रत्यक्ष रूप से देखने का विशिष्ट अवसर प्राप्त हुआ। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए शिक्षाप्रद और प्रेरणादायक रहा। उन्होंने महत्वपूर्ण बजट सत्र के दौरान विधानसभा की कार्यवाही को ध्यानपूर्वक देखा और समझा। यह अवसर विशेष रूप से महत्वपूर्ण था क्योंकि यह नए विधानसभा भवन में प्रस्तुत किया गया पहला बजट था। विद्यार्थियों के लिए विधानसभा के भीतर उपस्थित होकर लोकतांत्रिक शासन प्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से देखना एक अनूठा अनुभव रहा। इस सत्र ने उन्हें संसदीय प्रक्रियाओं, वाद-विवाद तथा राज्य के बजट की संरचित प्रस्तुति की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। डॉ. रंजना दास शार्खेल विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, ने ऐसे शैक्षणिक भ्रमणों के महत्व पर बल देते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों की शासन व्यवस्था, लोक नीति और नागरिक दायित्वों के प्रति समझ विकसित होती है। उन्होंने बताया कि मैट्स विश्वविद्यालय सदैव कक्षा शिक्षण के साथ-साथ क्षेत्रीय अनुभवों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देता है।

गिरौदपुरी मेले के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर ने जताया आभार

बलौदाबाजार-भाटापारा। बाबा गुरु घासीदास जी की पावन जन्मस्थली एवं तपोभूमि गिरौदपुरी धाम में 22 से 24 फरवरी तक आयोजित तीन दिवसीय भव्य संत समागम एवं गुरुदर्शन मेला का गरिमामय और शांतिपूर्ण समापन पर कलेक्टर दीपक सोनी ने अपनी कृतज्ञता व्यक्त की है। कलेक्टर ने मेले को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली मेला समिति, मेला से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी एवं दर्शन के लिए आए लाखों श्रद्धालुओं और जिले के नागरिकों के प्रति विशेष रूप से आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि आस्था के इस महाकुंभ में सभी के सहयोग से अनुशासन और सुरक्षा का वातावरण बना रहा, जिससे दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं को सुलभ दर्शन प्राप्त हुए।

10 नए हाईमास्ट की रौशनी से जगमग होगा रावणभाठा का ऐतिहासिक दशहरा मैदान

रायपुर (विश्व परिवार)। अब राजधानी शहर रायपुर का रावणभाठा में ऐतिहासिक दशहरा मैदान 10 हाईमास्ट की रौशनी से जगमग होगा और वहां रात्रिकालीन धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक,खेलकूद एवं अन्य विविध गतिविधियां नियमित रूप से की जा सकेंगी। अधोसंरचना मद अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर के विद्युत विभाग द्वारा 10 नए हाईमास्ट की स्थापना ऐतिहासिक दशहरा मैदान रावणभाठा में की जायेगी।

आज महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने ऐतिहासिक रावणभाठा दशहरा मैदान पहुंचकर वहां चारो ओर 10 नये हाई मास्ट लगाकर रौशनी बिखेरे जाने नये विकास कार्य का श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर भूमिपूजन सहित कार्यारंभ नगर निगम एमआईसी सदस्य और रावणभाठा दशहरा मैदान उत्सव समिति अध्यक्ष श्री मनोज वर्मा, निगम विद्युत विभाग अध्यक्ष श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय, जोन 6 अध्यक्ष श्री बद्री प्रसाद गुप्ता, जोन 5 अध्यक्ष श्री अम्बर अग्रवाल, पार्षद श्रीमती अंजली गोलछा जैन, श्री रमेश सपहा, श्री प्रमोद कुमार साहू, दशहरा मैदान उत्सव समिति संयोजक श्री सुशील ओझा, पदाधिकारी राखी साहू, छबी सोनकर, अमित साहू, राहुल चौबे, लक्की ठाकुर, परमानंद सिंह, असलम खान, सुधार धनगर, सन्नी वर्मा, सत्यनारायण नायक, दिनेश गुप्ता, कमलेश साहू, हिमांशु मनीष, जीतू एवं अन्य रहवासी गणमान्यजनों, पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवयुवको, महिलाओं, आमजनो, नगर निगम विद्युत विभाग कार्यपालन अभियंता श्री संदीप शर्मा की उपस्थिति में करते हुए नगरवासियों को अनुपम सौगात दी। 10 नई हाई मास्ट लगने से ऐतिहासिक दशहरा मैदान रावणभाठा में रौशनी की छटा बिखरेगी और यहां रात्रिकालीन सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं अन्य विविध गतिविधियां नियमित रूप से की जा सकेंगी।

अवैध शराब बिक्री पर करारा प्रहार, कबीरधाम पुलिस की लगातार कार्रवाई, शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

सहसपुर लोहारा (विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले में सभी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कृष्ण कुमार चंद्राकर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष मिश्रा के नेतृत्व में दिनांक 24.02.2026 को थाना स. लोहारा पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि शांति नगर, सहसपुर लोहारा मेन रोड किनारे एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब रखकर बस के माध्यम से बिक्री हेतु ले जाने की फिराक में खड़ा है। सूचना की तस्दीक हेतु पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपी ने अपना नाम इमरान खान पिता समशेर अली उम्र 53 वर्ष निवासी रक्से थाना स. लोहारा जिला कबीरधाम (छ.ग.) बताया। आरोपी के कब्जे से एक पीले-लाल रंग के थैले में रखी 36 पौवा देशी मंदिरा प्लेन मदिरा प्रत्येक शीशी 180 एमएल भरी हुई शीलबंद अवस्था में कुल मात्रा 6.480 बल्क लीटर अनुमानित कीमत 2,880 रुपये जप्त की गई। आरोपी द्वारा शराब बिक्री हेतु परिवहन किया जाना पाया गया।

शराब के संबंध में वैध दस्तावेज मांगने पर कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किए गए। आरोपी का कृत्य धारा 34(2) आबकारी एक्ट के अंतर्गत अपराध पाए जाने से मौके पर विधिवत कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी की सूचना परिजनों को दी गई।

जप्त सामग्री सहित आरोपी के विरुद्ध थाना स. लोहारा में अपराध क्रमांक 22/2026 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी को दिनांक 25.02.2026 को माननीय न्यायालय कवर्धा के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में विवेचना जारी है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक मनीष मिश्रा, सउनि संदीप चौबे, सउनि बलदाउ भट्ट, आरक्षक क्रमांक 47, 711 एवं चालक आरक्षक 834 का विशेष योगदान रहा। कबीरधाम पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है।

उपभोक्ता आयोग ने शो-रूम को स्कूटी मरम्मत कराने किया आदेशित

ब्लौदाबाजार(विश्व परिवार)। ओला इलेक्ट्रानिक बाईक शो - रूम द्वारा स्कूटी को सुधार कर प्रदाय नही किये जाने के कारण उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बलौदाबाजार द्वारा शो -रूम को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए उपभोक्ता के वाहन का मरम्मत कर उसके पूर्ण संतुष्टि में प्रदाय करने आदेशित किया है।संतुष्टिपूर्ण मरम्मत नहीं करने की दशा में वाहन का वर्तमान मूल्य अदा किये जाने आदेश परित किया है।

छत्तीसगढ़ ने बजट 2026-27 के उद्योग- केंद्रित प्रावधानों का किया स्वागत

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 24 फरवरी को प्रस्तुत बजट 2026-27 में उद्योग क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दिए जाने पर Confederation of Indian Industry (CII) छत्तीसगढ़ राज्य परिषद ने स्वागत व्यक्त किया है। परिषद का मानना है कि यह बजट राज्य के औद्योगिक विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगा। Confederation of Indian Industry (CII)

बजट में उद्योग विभाग के लिए कुल ?1,750 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो विनिर्माण, उद्यमिता, निर्यात संवर्धन एवं तकनीक-आधारित औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

CII छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के अध्यक्ष एवं RSV Exim Pvt. Ltd. के प्रबंध निदेशक श्री

संजय जैन ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा,

उद्योग विभाग के लिए ?1,750 करोड़ का आवंटन छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास को गति देने की दिशा में एक सशक्त एवं दूरदर्शी कदम है। कृषि-आधारित उद्योगों, औद्योगिक अधोसंरचना, निर्यात प्रोत्साहन तथा नवाचार-आधारित मिशनों पर विशेष ध्यान राज्य की समग्र आर्थिक प्रगति को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा क्षेत्रों में धान मिल, पोल्ट्री फार्म तथा एग्रो-फॉरेस्ट प्रोसेसिंग इकाइयों सहित कृषि-आधारित एवं रोजगारोन्मुख उद्योगों के लिए ?100 करोड़ के प्रावधान की सराहना की। उनके अनुसार, इससे संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। CII छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के उपाध्यक्ष एवं Shri Bajrang Power & Ispat Ltd. के निदेशक श्री बजरंग गोयल ने कहा, बजट 2026-27 राज्य के लिए एक प्रगतिशील औद्योगिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। कृषि-आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने से ग्रामीण औद्योगिकीकरण को बल मिलेगा। वहीं नवा रायपुर-राजनांदगांव क्षेत्र में अधोसंरचना विकास से राज्य की विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी। उन्होंने आगे कहा कि ?750 करोड़ की सब्सिडी एवं सहायता राशि उद्योगों पर वित्तीय दबाव को कम करेगी और विस्तार योजनाओं को गति देगी। साथ ही स्टार्टअप एवं एआई मिशन के माध्यम से छत्तीसगढ़ को तकनीक-सक्षम एवं भविष्य उन्मुख औद्योगिक राज्य के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। CII छत्तीसगढ़ ने विश्वास व्यक्त किया है कि बजट के इन उद्योग-केंद्रित प्रावधानों से निवेश आकर्षण बढ़ेगा, औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि होगी।

नल कर का बकाया राशि, नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही जारी

राजनांदगांव। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर नगर निगम द्वारा राजस्व वसूली में कडाई बरतते हुये प्रतिदिन कार्यवाही की जा रही है। साथ ही संपत्तिकर के बड़े बकायादारों को नोटिस जारी किया गया है और बकायादारो का नाम प्रकाशित किये जाने की तैयारी है। जल कर के बडे बकायादारो का नल कनेक्शन काटा जा रहा है। आज की कार्यवाही में पुराना कमल टाकिज रोड एवं नंदई के घरो से 7 नल कलेक्शन काटा गया। वित्तीय वर्ष समाप्ति के अंतिम माह में सतप्रतिशत राजस्व वसूली के लिए महापौर श्री मधुसूदन यादव एवं निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा राजस्व विभाग की प्रतिदिन मानिटरिंग कर घर घर जाकर कर वसूली करने दिश निर्देश दे रहे है तथा बडे बकायादारो को अपने बकाया करो का भुगतान करने समझाईस दे रहे है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./28330/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 16-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28330
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108B00855** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M. SINHA CHALAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI MENDA SANTOSH KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE MENDA SIMHACHALAM** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ ..... / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

तृप्ति को मिला अमृत कुंभ सम्मान

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। हिंदी भाषा भारतीय संस्कृति, ज्ञान परम्परा और राष्ट्रीय भावना की वह जीवंत धारा है,जिसने देश को एक सूत्र में बांधे रखा है । मातृभाषा के प्रति सम्मान, अभिव्यक्ति में सहजता तथा ज्ञान विस्तार की दृष्टि से हिंदी का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। इस दिशा में हिंदी ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा संचालित गतिविधियां प्रशंसनीय हैं। इसी क्रम में फाउंडेशन द्वारा गत दिनों अमृत कुंभ सम्मान व अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड पुरस्कार वितरण समारोह सी डी देशमुख ऑडिटोरियम नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय वाइडनर इंग्लिश मीडियम स्कूल की शिक्षिका तृप्ति दुबे को उनकी स्वरचित रचना के लिये अमृत कुंभ सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें लद्दाख के उप राज्यपाल द्वारा प्रदान किया गया। तृप्ति की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, उनके ईष्ट मित्रों व परिजनों ने बधाई देते हुये शुभकामनायें प्रेषित की हैं।

पहलाजानी केस : आप पार्टी बोली- एफआईआर के बावजूद गिरफ्तारी नहीं हुई

रायपुर (विश्व परिवार) आम आदमी पार्टी ने रायपुर के पहलाजानी टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर का मामला फिर से उठाया है। अस्पताल के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसको लेकर जांच की रफ्तार और पुलिस कार्रवाई पर आप ने सवाल खड़े किए हैं। मामला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के बचेली निवासी दंपती से जुड़ा है। जिन्होंने आईवीएफ प्रक्रिया के जरिए संतान प्राप्ति के लिए सेंटर का रुख किया था। 25 दिसंबर 2023 को ऑपरेशन के माध्यम से जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद परिजनों ने बच्चों की अदला-बदली का आरोप लगाया था। परिवार का दावा है कि अस्पताल स्टाफ ने एक बेटा और एक बेटी होने की जानकारी दी थी, लेकिन बाद में दोनों बच्चियां सौंप दी गईं। संदेह के बाद पिता ने निजी स्तर पर डीएनए जांच कराई और मामला न्यायालय पहुंचा। मामला उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा, जहां 19 जनवरी 2026 को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया गया। हालांकि आरोप है कि आदेश के तुरंत बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई और बाद में 6 फरवरी 2026 को मामला दर्ज किया गया। अब एफआईआर दर्ज हुए भी समय बीत रहा है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आप का कहना है कि, परिवार को अब तक न्याय नहीं मिला है और न ही उनके बच्चे की स्थिति स्पष्ट की गई है। कानूनी जानकारों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद दर्ज एफआईआर में देरी और गिरफ्तारी न होना।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र./28991/ न.पा.नि./जोन क्र.-6/2026
रायपुर, दिनांक 25-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28991
वार्ड का नाम-65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 65 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR662E00184** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOHAR RAO DHIGE** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. TULAJI RAO DHIGE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/**श्रीमती कल्पना ढिगे** पिता/पति श्री/श्रीमती **पति - स्व. श्री मनोहर राव ढिंगे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./28971/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 25-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28971
वार्ड का नाम-30 - शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331E00014** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. KALPANA JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SUDHEER JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SARIKA SOMAWAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O AJAY KUMAR SOMAWAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./28969/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 25-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28969
वार्ड का नाम-29 - गुरू गोविंद सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 29 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR330F00134** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. PARVIN KHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O RAHIM KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SASMITA SENAPATI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O PRASANNA SENAPATI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./28955/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 25-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28955
वार्ड का नाम-30 - शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331H0233A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHREE MADAN CONSTRUCTION PRO. , RAKESH SARAOGI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O SATAYANARAYAN SARAWAGI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SUMMI SINGH** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O AJAY KUMAR SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 26 फरवरी 2026

युवा संसद कार्यक्रम 2026 का सफल आयोजन सम्पन्न

कवर्धा (विश्व परिवार)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा शासकीय महाविद्यालय सहसपुर लोहारा माय भारत ,एन.एस.एस के संयुक्त तत्वावधान में विकसित भारत एक दिवसीय युवा संसद कार्यक्रम 2026卐 का सफल आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक दायित्वों एवं राष्ट्रीय चेतना के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद श्री संतोष पाण्डेय वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि युवा संसद जैसे मंच युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझने, अपने विचार अभिव्यक्त करने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हैं।

कैट नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 का भव्य समापन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बोले- छत्तीसगढ़ व्यापार का नया ग्रोथ इंजन

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेंद्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, महामंत्री श्री सुरिंदर सिंह, कोषाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेंद्र जग्गी, श्री राम मंधान, श्री वासु मखीजा, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी तथा श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) द्वारा आयोजित नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 का समापन समारोह अत्यंत भव्य एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी शामिल हुए, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमेन श्री सुनील सिंघी जी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर श्रीमती मीनल चौबे की गरिमामयी उपस्थिति रही।

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमेन श्री सुनील सिंघी आगमन पर ब्राप्ज् परिवार एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा उनका भव्य स्वागत गजमाला पहनाकर किया गया । पाँच दिवसीय इस मेले में हजारों की संख्या में नागरिकों, व्यापारियों, युवाओं एवं उद्यमियों ने सहभागिता की। एक्सपो में 250 से अधिक प्रतिष्ठित ब्रांड्स ने भाग लिया, जहाँ आगंतुकों ने नवीन उत्पादों का अवलोकन किया, आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी की तथा मैन्युफैक्रर, डिस्ट्रीब्यूटर एवं डीलर्स को एक सशक्त B2B मंच प्राप्त हुआ। कपड़ा, फूड स्टॉल्स, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं युवा गतिविधियों ने म्गचव को विशेष आकर्षण प्रदान किया।

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी ने CAITकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के एक्ज़ीबिशन प्रदेश के व्यापार और उद्योग को नई गति देते हैं। उन्होंने Expo में प्रदर्शित अनेक नवाचार, AI आधारित समाधान एवं स्थानीय उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि CAIT ने प्रदेश के व्यापारियों को एक सशक्त मंच प्रदान कर सराहनीय कार्य किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी की भावना को मजबूत करने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं की बड़ी भागीदारी को उत्साहजनक बताते हुए कहा कि आज का युवा डिजिटल और सोशल युग के माध्यम से प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने में सक्षम है, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। उन्होंने हाल ही में घोषित राज्य बजट पर प्रदेशवासियों एवं व्यापारियों को बधाई भी दी।

70वां रेल सप्ताह समारोह 2025, मंडल रेल प्रबंधक स्तर रेल सेवा पुरस्कार

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी रायपुर रेल मंडल प्रबंधक दयानंद द्वारा हुए सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर द्वारा आज दिनांक 25 फरवरी, 2025 को उल्लास अधिकारी क्लब, शिवनाथ रेल विहार, डब्ल्यू.आर.एस कॉलोनी, रायपुर में 70वाँ रेल सप्ताह समारोह (मंडल रेल प्रबंधक स्तर)-2025 मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद के आतिथ्य में आयोजित किया गया ।

भारत में पहली बार रेल का शुभारंभ 16 अप्रैल 1853 में मुम्बई से थाणे के मध्य रेल चलाकर की गई थी। इस ऐतिहासिक घटना की याद में रेल मंत्रालय सहित सभी क्षेत्रीय रेलवे, वर्कशॉप, यूनिटों एवं मंडलों में प्रति वर्ष रेल सेवा पुरस्कार मनाया जाता है। 70वाँ रेल सप्ताह समारोह 2025 में रेल कर्मचारियों को उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया गया। 70वाँ रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर सर्वप्रथम मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद का स्वागत वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग द्वारा किया गया। अतिथियों द्वारा देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, श्लोक उच्चारण एवं दीप प्रज्वलित कर इस समारोह का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग ने स्वागत संबोधन में कठिन परिश्रम, लगन और निष्ठा की बदौलत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को बधाई दी।

मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने अपने उदबोधन में कहा कि भारतीय रेल नेटवर्क, टीम वर्क का श्रेष्ठ उदाहरण है। इस वृहत प्रणाली को गतिमान रखने में रेलवे के सभी विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस पारस्परिक सामंजस्य एवं सहयोग के बिना इस रेल तंत्र को सुचारू रूप से चलाना संभव नहीं है। अपनी स्थापना के बाद से ही रायपुर मंडल लगातार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल रहा है।

आगे और भी उल्लेखनीय प्रगति करते हुए रायपुर मंडल रिकार्ड कायम करने है।प्रतिवर्ष नया कीर्तिमान रचना है। सभी उपलब्धियों का श्रेय हमारे अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन एवं कर्मचारियों के कठिन परिश्रम को जाता है। हम इसी सेवा भावना एवं कर्तव्य निष्ठा के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करते रहेंगे। साथ ही अन्य कर्मचारियों को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपनी पूरी लगन एवं निष्ठा के साथ कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया ।

70 वॉ रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए 33 कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार एवं 27 विभागीय शील्ड पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही साथ कार्यरत स्वच्छता कर्मियों को भी पुरस्कृत किया गया। रेल कर्मियों द्वारा तैयार किये गये रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। पुरस्कार वितरण के पश्चात् सहायक कार्मिक अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अध्यक्षा सेक्रो श्रीमती शिखा सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग अग्रवाल, रायपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं समस्त यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित रेल कर्मचारीगण उपस्थित थे । 70 व रेल सेवा पुरस्कार 2025 में रायपुर रेल मंडल के विभागों को दक्षता अवार्ड शील्ड दिया गया ।

विसः नल जल योजना, रोजगार सहित उद्योग व महिला श्रमिकों के हित का उठाया मुद्दा

रायपुर (विश्व परिवार)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा विधानसभा में जनहित व प्रदेश के प्रमुख विषयों से जुड़े प्रश्न लगातार विधानसभा पटल पर रख रहीं हैं। बजट सत्र के तीसरे दिन उन्होंने नल जल योजना से जल आपूर्ति व गर्मी के दिनों में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पर्याप्त जल आपूर्ति के लिए प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों, इन्वेस्ट कनेक्ट और स्थानीय रोजगार एवं कबीरधाम जिला में संचालित लघु व मध्यम उद्योग को प्रोत्साहन और महिला श्रमिकों के हित के सन्दर्भ में प्रश्न पूछा।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने प्रश्न किया कि पिछले 12 महीनों में कितने जिलों/शहरों में नल जल योजना को जोड़ लिया गया है? कितने जिलों में योजना पूर्ण कर ली गई है? बचे हुए जिलों में कब तक यह योजना पूर्ण कर ली जाएगी ? वर्तमान में छत्तीसगढ़ नल जल योजना की लक्ष्य पूर्ति में किस स्थान पर है? तथा आगामी ग्रीष्मकाल में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति के लिए विभाग की क्या योजना है? जिसके लिखित प्रतिउत्तर में उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव जी ने बताया कि पिछले 12 महीनों में राज्य के सभी जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों को नल जल योजना से जोड़ लिया गया है। शहरों में नल जल योजना लागू नहीं है। राज्य के किसी भी जिला में योजना पूर्ण नहीं की गई है। संभावित तिथि बताना संभव नहीं है।

ऑल-न्यू निसान ग्रेविट 5.65 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर हुआ लॉन्च

रायपुर (विश्व परिवार)। शिवा निसान ने आज ऑल-न्यू निसान ग्रेविट को 5.65 लाख रुपये की आकर्षक शुरुआती कीमत पर लॉन्च करने की घोषणा की। एक दमदार और क्रांतिकारी 7-सीटर एमपीवी, ग्रेविट निसान के भारत सफर में एक नए अध्याय की शुरुआत है। भारत से प्रेरित, भारत में निर्मित, भारत के लिए निर्मित, ग्रेविट निसान मोटर इंडिया के नए उत्पाद अभियान के तहत लॉन्च होने वाला पहला उत्पाद है - जो भारत में कंपनी की मजबूत प्रतिबद्धता और उपस्थिति को रेखांकित करता है।

ग्रेविट नाम 1.4 अरब भारतीयों और 19,000 स्थानीय भाषाओं और रीति-रिवाजों से प्रेरित है जो देश की विविधता को आकार देते हैं। ग्रेविट को भारतीय परिवारों की बदलती आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विशेष रूप से बनाया गया है। यह दमदार उपस्थिति के साथ जगह, बहुमुखी प्रतिभा, आराम और रोजमर्रा की व्यावहारिकता का संयोजन करता है। ऑल-न्यू निसान ग्रेविट निसान की वैश्विक डिज़ाइन भाषा के अनुरूप एक विशिष्ट और आत्मविश्वासपूर्ण पहचान स्थापित करती है।

इसके ऊंचे अनुपात, मस्कुलर बॉडी लाइन्स, उभरे हुए व्हील आर्च और उच्च ग्राउंड क्लीयरेंस इसे एक दमदार रोड प्रेजेंस प्रदान करते हैं, जो भारत की विभिन्न ड्राइविंग स्थितियों के लिए उपयुक्त है। ग्रेविट अपने सेगमेंट में एकमात्र वाहन है जिसमें विशिष्ट हुड ब्रांडिंग के साथ-साथ अद्वितीय रियरडोर बैजिंग भी है - एक बोल्ड डिज़ाइन अभिव्यक्ति जो विशिष्टता और मजबूत दृश्य स्मृति को मजबूत करती है।

यूको बैंक भाटागांव शाखा का डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने किया शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। यूको बैंक की छत्तीसगढ़ राज्य में 63 वीं शाखा के रूप में भाठागाँव शाखा, रायपुर का शुभारंभ आज दिनांक- 25.02.2026 को माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा जी के करकमलों द्वारा संपन्न किया गया।

कार्यक्रम में अंचल प्रमुख सुश्री वीणा कुमारी, उप अंचल प्रमुख श्री अमोल बी. मंडारे तथा यूको बैंक के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

नई शाखा व्यवसायीक दृष्टीकोण से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित है। शाखा के समीप बस स्टेण्ड, सब्जी मंडी एवं प्रमुख आवासीय क्षेत्र स्थित है, जिससे क्षेत्र के व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों एवं परिवारों को बैंकिंग सेवाओं का सीधा लाभ मिलेगा।

बैंक प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया है कि इस पहल से क्षेत्र में वित्तीय समावेशन को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा अधिकतम लोगों को आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं प्राप्त होगी। इस अवसर पर का अंचल प्रमुख सुश्री वीणा कुमारी ने आश्वस्त किया कि जिस तरह छत्तीसगढ़ राज्य प्रगति की ओर अग्रसर है उसी प्रकार यूको बैंक भी अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। क्षेत्र में और एक शाखा इसी वित्तीय वर्ष में पदनाभपुर क्षेत्र में खुल रही है और छत्तीसगढ़ के अन्य सभी जिलों में शाखा खोले जाने का प्रस्ताव विचाराधीन है। जिसे आगामी वित्तीय वर्ष में पूरा करने की योजना है। बैंक ने सभी ग्राहकों, शुभचिंतकों तथा भागीदारों से निवेदन किया है कि नई शाखा के कारोबार वृद्धि में अपना सक्रिय योगदान दें।

चलती ट्रैन में कर रहे थे शराब सेवन, यात्रियों के खिलाफ की गई कानूनी

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 21.02.2026 को नौतनवा से चलने वाली ट्रेन संख्या 18206 नौतनवा दुर्ग एक्सप्रेस में श्रीमती उषा शुक्ला, लगभग 68 वर्ष की वरिष्ठ नागरिक महिला यात्री, जो अपने बुजुर्ग पति के साथ ट्रेन संख्या 18206 के कोच संख्या ए1 सीट संख्या 7-9 में 22.02.2026 को अयोध्या से रायपुर जा रही थीं, की शिकायत प्राप्त हुई थी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी के निर्देशन पर की गई प्रारंभिक जांच से पता चला है कि भाटापारा से रायपुर के मध्य चलती ट्रेन में श्री प्रवीण सिंह (ए1 कोच की सीट संख्या 24 के यात्री) और श्री गोपाल कासेर (ए2 कोच की सीट संख्या 14 के यात्री) ए1 कोच के कॉरिडोर अटेंडेंट कैबिनेट में खुलेआम शराब का सेवन करते पाए गए, जो ट्रेन के भीतर एक सार्वजनिक स्थान है। ए1 और ए2 कोच के अटेंडेंट भी इस कृत्य के साक्षी थे। रेलवे के मौजूदा नियमों और कानून के प्रासंगिक प्रावधानों, जिनमें रेलवे अधिनियम की धारा 145 भी शामिल है, के तहत ऐसा कृत्य सख्त वर्जित है। यह भी पाया गया है कि उपर्युक्त दोनों यात्री शराब के नशे में थे और उन्होंने वरिष्ठ नागरिक महिला यात्री के साथ दुर्व्यवहार किया, जिससे बुजुर्ग दंपति को मानसिक उत्पीड़न, असुविधा और असुरक्षा की भावना का सामना करना पड़ा। ए1 कोच की सीट संख्या 24 पर, जो श्री प्रवीण सिंह के लिए आवंटित बर्थ थी, शराब से संबंधित सामग्री भी पाई गई, जो इस बात की पुष्टि करती है ।

महापौर परिषद में जनहितैषी प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में ली गई। बैठक में प्रमुख रूप से बैकहो लोडर क्रय, सर्विस रोड निर्माण एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रस्ताव को महापौर परिषद के सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

15वें वित्त आयोग के तहत 5 नग बैकहो लोडर क्रय कार्य हेतु मेसर्स जी.के.आटोव्हील प्रा.लि.रायपुर द्वारा प्रस्तुत न्यूनतम दर 25 लाख रूपये प्रति नग के अनुसार कुल 1 करोड़ 25 लाख रूपये मात्र की स्वीकृति सर्वसम्मति से की गयी।

जोन-3 अंतर्गत जी.ई.रोड के समानांतर चंद्रा मौर्या टाकिज से नगर निगम जोन-3 कार्यालय के सामने से बजाज शोरूम तक सर्विस रोड निर्माण कार्य हेतु महापौर परिषद् की बैठक में चर्चा कर सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी। प्रधानमंत्री आवास योजना सबके लिये आवास मिशन, एएचपी घटक अंतर्गत समय पर 90 प्रतिशत राशि जमा करने वाले हितग्राहियों को 10 प्रतिशत अंशदान गरीबों की सेवा निधि से प्रदान करने विषयक प्रस्तुत किया गया था। किंतु महापौर परिषद् में लिये निर्णय अनुसार इस राशि का उपयोग गरीबो तथा गंदी बस्ती के निवासियों को जलापूर्ति एवं अन्य आवश्यक सेवा प्रदान करने हेतु निर्णय लिया गया।

संरक्षा कार्य के चलते कुछ गाड़ियों का परिचालन रहेगा प्रभावित

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा संरक्षा एवं ट्रैक अनुरक्षण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुब्बल्लि मंडल के कैसलरॉकङ्कुलें घाट सेक्शन में लाइन ब्लॉक लेकर बीसीएम (Ballast Cleaning Machine) के माध्यम से ट्रैक अनुरक्षण एवं ट्रैक रिन्यूअल का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबंधित निम्नलिखित गाड़ियों का परिचालन आंशिक रूप से प्रभावित रहेगा। दिनांक 27 अप्रैल, 04, 11, 18 व 25 मई तथा 01 जून 2026 को जसीडीह से चलने वाली गाड़ी संख्या 17322 जसीडीह - वास्को द गामा एक्सप्रेस, हुब्बल्लि जंक्शन स्टेशन में समाप्त होगी तथा हुब्बल्लि जंक्शन से वास्को द गामा स्टेशनों के मध्य रद्द रहेगी। दिनांक 01, 08, 15, 22 व 29 मई तथा 05 जून 2026 को वास्को द गामा से चलने वाली 17321 वास्को द गामा - जसीडीह एक्सप्रेस, वास्को द गामा के बजाय हुब्बल्लि जंक्शन स्टेशन से प्रारम्भ होगी तथा वास्को द गामा से हुब्बल्लि जंक्शन स्टेशनों के मध्य रद्द रहेगी।

राजधानीवासी खारून का दूषित पानी पीने के लिए मजबूर, विधानसभा में विधायक मूणत ने उठाया मुद्दा

रायपुर (विश्व परिवार)। विधानसभा में आज राजधानीवासियों को खारून का दूषित पानी पीने के लिए मजबूर करने वाले दोषियों अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर विधायक राजेश मूणत ने विधानसभा में नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि खारून नदी के पास एचटीपी लगाने के लिए सरकारी जमीन को छोडक़र अन्य जगह लगाया जा रहा है। जिसके कारण खारून नदी प्रदूषित हो रही है। नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव ने कहा कि खारून नदी के पास 81 करोड़ रूपए खर्च कर 75 एमएलडी क्षमता का एचटीपी का निर्माण किया गया है। चिंगरी नाला का दूषित जल नाले में बनाए गए पीकअपएयर से ओव्हर फ्लो होकर नदी में प्रवाहित हो जाता है। चिंगरी नाला का लाइनिंग एवं अप्रोच नहीं होने तथा फिल्टर की सफाई की समस्या बाधित करने से ओव्हर फ्लो की समस्या निर्मित हो रही है। विधायक राजेश मूणत ने आरोप लगाया कि 11 एकड़ शासकीय जमीन में यह प्लांट लगाया जाना था, लेकिन इसे अन्यत्र लगा दिया गया है। ऐसे दोषी अधिकारी पर क्या कार्यवाही की जाएगी। नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव ने बताया कि मुख्य अभियंता नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। इसके संशोधित प्रस्ताव आने के बाद आगामी कार्यवाही की जाएगी। राजेश मूणत द्वारा पूछे गए प्रश्न का समय सीमित होने के कारण ज्यादा कुछ नहीं पूछ पाए। सभापति धरम लाल कौशिक ने उन्हें बोलने का अवसर दिया। राजेश मूणत ने कहा कि चिंगरी और पीहर नाले से गंदा पानी आने के कारण खारून नदी का जल प्रदूषित हो रहा है। दूषित पानी को नदी में जाने से रोकने के लिए 11 करोड़ की कार्ययोजना बनाई गई है, जो कि पिछले एक वर्ष से लंबित है। सक्ती में एचटीपी संयंत्र लगाने की निविदा स्वीकार की जाएगी- अरूण साव नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में अरूण साव ने बताया कि सक्ती में स्वच्छ भारत मिशन के तहत एचपीटी के निर्माण के लिए निविदा को स्वीकृति प्रदान की जाएगी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354